● वर्ष-3
● अंक-216
रायपुर, शनिवार
20 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› बालों को मजबूत बनाना है ...

पहले चरण का मतदान समाप्त

102 सीटों पर 60 प्रतिशत वोटिंग

नई दिल्ली/ रायपुर. 2024 लोकसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान आज 19 अप्रैल को समाप्त हो गया। पहले चरण के मतदान में, देश भर के 21 राज्य और 102 निर्वाचन क्षेत्रों में वोट डाले गए। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, शाम पांच बजे तक 102 सीटों पर करीब 60% मतदान दर्ज किया गया है। तीन बजे तक 49.78% मतदान दर्ज किया गया था। जिन 102 सीटों पर मतदान हुआ वहां 2019 में 69.96% वोटिंग हुई थी।

2024 के आम चुनाव देश भर में सात चरणों में होंगे, जो 1 जून को समाप्त होंगे। लोकसभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती और परिणाम की घोषणा 4 जून को होगी। शाम 6 बजे तक 59.71 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 77.57 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद त्रिपुरा में 76.10% और पुडुचेरी में 72.84% मतदान हुआ। बिहार में सबसे कम 46.32% मतदान हुआ।

कुछ अन्य राज्यों की बात करें तो इसमें अरुणाचल प्रदेश में 64.7%, जम्मू कश्मीर में 65.28%, छत्तीसगढ़ में 63.41%, महाराष्ट्र में 54.85 प्रतिशत, मणिपुर में 68.62%, राजस्थान में 50.27% जबकि तमिलनाडु में 63.20% मतदान हुआ है। त्रिपुरा में 76.10%, उत्तर प्रदेश में 57.54 प्रतिशत उत्तराखंड में 53.56% प्रतिशत वोट डाले गए। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में 54.68%, कैराना में 58.68%, मुरादाबाद में 57.65%, मुजफ्फरनगर में 54.91%, नगीना में 58.05%, पीलीभीत में 60.23%, रामपुर में 52.42% और सहारनपुर में 63.29% का मतदान हुआ है।

कई प्रमुख नेताओं और हस्तियों ने अपना वोट डाला है, जिनमें कांग्रेस के दिग्गज नेता पी चिदंबरम, उनके बेटे और शिवगंगा उम्मीदवार कार्ति चिदंबरम, प्रसिद्ध अभिनेता रजनीकांत, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके सुप्रीमो एमके स्टालिन शामिल हैं। पहले चरण में तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय (2), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नागालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) की सभी सीटों पर मतदान हुआ। इसके अलावा राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में आठ, मध्य प्रदेश में छह, असम और महाराष्ट्र में पांच-पांच, बिहार में चार, पश्चिम बंगाल में तीन, मणिपुर में दो और त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर और छत्तीसगढ़ में एक-एक सीट पर मतदान हुआ।

पहले चरण में उत्तर प्रदेश की आठ सीटों में पर मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक सहारनपुर सीट पर सबसे ज्यादा 63.29% और रामपुर सीट पर सबसे कम 52.42% वोटिंग हुई है। 2019 में इन सीटों में से सहारनपुर में सबसे ज्यादा 70.87% और में सबसे कम रामपुर लोकसभा सीट पर 63.19% वोटिंग हुई थी। पिछले चुनाव में इन आठ सीटों में तीन पर भाजपा और बसपा और दो पर सपा को जीत मिली थी।

पहले चरण में उत्तराखंड की सभी पांच सीटों में पर मतदान हुआ। शाम पांच बजे तक नैनीताल-उधमसिंह नगर सीट पर सबसे ज्यादा 59.36% और अल्मोड़ा सीट पर सबसे कम 44.43% वोटिंग हुई है। 2019 में इन सीटों में से हरिद्वार में सबसे ज्यादा 69.18% और अल्मोड़ा में सबसे कम अल्मोड़ा 52.31% वोटिंग हुई थी। पिछले चुनाव में सभी पांच सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी।

बस्तर में शांतिपूर्ण 63% से अधिक मत पड़े

बस्तर विधानसभा में लगभग तिहत्तर, बीजापुर में करीब बयालीस, चित्रकोट में तिहत्तर, दंतेवाड़ा में सड़सठ, जगदलपुर में पैंसठ, कोंडागांव में बहत्तर, कोंटा में इंक्यावन और नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में बासठ प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

बस्तर संसदीय क्षेत्र में इस बार एक हजार नौ सौ इकसठ मतदान केन्द्र बनाए गए थे। इनमें से इकसठ को संवेदनशील और एक सौ छियानवे मतदान केन्द्रों को अति-संवेदनशील घोषित किया गया था। बस्तर संसदीय क्षेत्र में मतदान को लेकर आज लोगों में खासा उत्साह देखा गया। सुबह से ही पोलिंग बूथों के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखी गई। युवा, महिला और बुजुर्ग मतदाताओं ने गर्मी की परवाह किए बिना वोट डालने मतदान केन्द्र पहुंचे।

इस सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कवासी लखमा ने कोंटा विधानसभा क्षेत्र के नागारास मतदान केन्द्र पहुंचकर अपना वोट डाला। वहीं, भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के कलचा गांव में मतदान किया। इसके अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव ने जगदलपुर के शांति नगर वार्ड में और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कोंटा विधानसभा क्षेत्र में वोट डाला। इसी तरह, कोंडागांव से भाजपा विधायक लता उसेंडी, कांग्रेस के पूर्व विधायक मोहन मरकाम और जिला कलेक्टर कुणाल दुदावत ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

इसके अलावा कोंडागांव जिले में स्काउट-गाइड के बालक-बालिकाओं ने जरूरतमंद बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक ले जाने में उनकी मदद भी की। वहीं, नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के गुरिया मतदान केन्द्र में शादी के तुरंत बाद दूल्हा-दुल्हन वोट डालने पहुंचे। मतदान करने के बाद उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेना सभी का कर्तव्य है। इसलिए उन्होंने शादी के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जांजगीर से कमल खिलाकर मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है : साय

रायपुर/जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र में शुक्रवार को आयोजित नामांकन रैली व सभा में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में जो गलती हुई है, उसे लोकसभा चुनाव में नहीं दोहराना है। इस बार विधानसभा चुनाव में मिली हार का बदला लेना है । ऐसा संकल्प लें और जांजगीर लोकसभा की सभी 8 विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबसे बड़ी लीड दिलाएं ।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पांच साल तक छत्तीसगढ़ को लूटने वाली कांग्रेस अब प्रदेश की जनता को गुमराह करते लोकसभा में फिर वोट मांग रही है। इस बार का लोकसभा चुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है । यह तो नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। मोदी जी देश की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानते हुए 24 घंटों में 18 घंटे गांव, गरीब, किसान , युवा और महिलाओं की चिंता करते हुए काम करते हैं।

7 मई को कमल फूल छाप पर बटन दबाकर जांजगीर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रिय प्रत्याशी श्रीमती कमलेश जांगड़े को प्रचंड मतों से जीताकर संसद में भेजना है। श्री साय ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा किपिछले पांच सालों में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को अपराध और भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन पर काम कर रहे हैं मोदीः साय

आज विश्व में देश की 140 करोड़ जनता का जो मान बढ़ा है, वो मोदी की ही देन है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन पर काम कर रहे हैं ।

प्रमुख समाचार

महानदी में नाव पलटी; दो शव बरामद, 6 लापता

रायगढ़/ओड़ीसा। रायगढ़ जिले की सीमा से लगे ओडिसा के रेंगाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शर्धा महानदी घाट में शुक्रवार की दोपहर नाव पलटने की घटना में दो व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं अभी भी 6 लोगों के लापता होनें की जानकारी सामने आ रही है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले से लगे हुए ओडिसा के झारसुगुड़ा जिले के रेंगालि थाना अंतर्गत आने वाले शर्धा महानदी घाट में रायगढ़ जिले के कोतरलिया निवासी गंगाराम लोहर के यहां खरसिया से 50 लोग पहुंचे थे जहां से सभी एक साथ ओडिसा के पंचगांव में स्थित पथरसेनी मंदिर दर्शन करने गए हुए थे। इस दौरान नाव में घूमने के दौरान बीच नदी में नाव पलट जाने की घटना से अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। बताया जा रहा है कि इस दौरान नाव में 70 लोग सवार थे जिसमें अभी तक एक का शव बरामद हुआ है जबकि आठ लोग अभी भी लापता हैं। घटना की जानकारी मिलते ही ओडिसा पुलिस के अलावा रायगढ़ जिले की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर गोताखोरों की मदद से लापता लोगों को ढूंढने के प्रयास में जुट गई है। बताया जा रहा है कि एक नाव में 70 लोग सवार होकर पथरसेनी मंदिर बकरा लेकर जा रहे थे, इस दौरान बीच नदी में नाव के बीच से टूट जाने के दौरान यह हादसा हुआ है।

रामदेव के सभी शिकायतकर्ताओं को बनाएं पक्षकार- सुको

नई दिल्ली। बाबा रामदेव ने कोविड महामारी के दौरान एलोपैथिक दवाईयों को लेकर की गई कथित टिप्पणियों के मामले में आपराधिक कार्रवाई पर रोक की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की हुई है। शुक्रवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव को उनके खिलाफ शिकायत करने वाले सभी शिकायतकर्ता को मामले में पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। पटना और रायपुर के आईएमए ने साल 2021 में बाबा रामदेव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि बाबा रामदेव की कथित टिप्पणियों से लोगों को एलौपैथिक दवाईयों से मोहभंग हुआ और लोगों ने सही से इलाज नहीं कराया। इसकी वजह से भी कोरोना को नियंत्रित करने में भी परेशानी हुई। बाबा रामदेव की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने शिकायतकर्ताओं को पक्षकार बनाने को कहा। कोर्ट ने मामले पर सुनवाई गर्मियों की छुट्टियों के बाद तक के लिए टाल दी है। बिहार सरकार की तरफ से कोर्ट में पेश हुए वकील ने कहा कि उन्हें इस मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए।

सुको पहुंचा उम्मीदवार; सीजेआई चंद्रचूड़ बोले- ऐसे तो आ जाएगी अराजकता

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में एक निर्दलीय उम्मीदवार का नॉमिनेशन कैंसल होने के मामले में सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने शुक्रवार को दो टूक कहा कि यदि पर्चा रद्द होने के मामलों को एंटरटेन किया जाएगा तो फिर तो अराजकता आ जाएगी। दरअसल, बिहार की बांका लोकसभा सीट से जवाहर कुमार झा ने निर्दलीय पर्चा भरा था, लेकिन उनका नॉमिनेशन रिटर्निंग ऑफिसर ने कैंसल कर दिया। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जवाहर कुमार झा ने अपनी याचिका में दावा किया कि लोकसभा चुनाव 2024 में रिटर्निंग ऑफिसर ने मनमाने और अवैध तरीके से उनके नामांकन को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि आपको चुनावी याचिका दायर करनी होगी। आप आर्टिकल 32 के तहत याचिका दायर नहीं कर सकते। अदालती सुनवाइयों को कवर करने वाले बार एंड बेंच के अनुसार, सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, अगर नामांकन पत्र खारिज होने को एंटरटेन करना शुरू कर दिया जाएगा तो चुनाव में अराजकता हो जाएगी। अगर हम नोटिस जारी करेंगे और मामले की सुनवाई करेंगे तो यह चुनाव से आगे बढ़ जाएगा।

बीजापुर में विस्फोट से एक जवान शहीद

कांकेर। बीजापुर जिले में आज एक विस्फोट में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल-सीआरपीएफ के एक जवान की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार जिले के उसूर थाना क्षेत्र में गलगम इलाके में स्थित सुरक्षा कैम्प से एरिया डोमिनेशन के लिए सीआरपीएफ की एक टीम आज सुबह रवाना हुई थी। कार्यवाही के दौरान दुर्घटनावश यूबीजीएल में विस्फोट हो गया। इससे सीआरपीएफ की एक सौ छियानवीं वाहिनी का आरक्षक देवेन्द्र कुमार घायल हो गया। घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से जगदलपुर मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। देवेन्द्र कुमार बस्तर जिले के धोबीगुड़ा गांव का रहने वाला था। उसका अंतिम संस्कार कल उसके गृहग्राम में किया जाएगा। एक अन्य घटना में बीजापुर जिले के ही भैरमगढ़ इलाके में हुए एक आईईडी विस्फोट में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल-सीआरपीएफ का एक सहायक सेनानी घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार सीआरपीएफ का दल चिहका क्षेत्र में स्थित पोलिंग बूथ के आसपास के इलाके में एरिया डॉमिनेशन की कार्यवाही कर रहा था, तभी प्रेशर आईईडी में विस्फोट होने से सहायक सेनानी मनु एचसी को हाथ और पैर में चोट आई।

मौसम विभाग की चेतावनी, 125 जिलों में सूखे जैसी स्थिति

नई दिल्ली। गर्मी का सितम जारी है। लू का प्रकोप भी शुरू हो चुका है। देश के ज्यादातर हिस्से इन दिनों सूखे जैसी स्थित का सामना कर रहे हैं। भारत मौसम विभाग विभाग ने 14 मार्च से 10 अप्रैल के बीच के आंकड़े जारी किए हैं। इसके मुताबिक, देश भर के करीब 125 जिले सूखे जैसे हालात से जूझ रहे हैं। साल 2023 की तुलना में देखें तो इस वक्त 33 जिले ही ऐसी स्थिति का सामना कर रहे थे जिसमें अबकी बार 279त्न की बढ़ोतरी है। मार्च के शुरुआती दिनों की तुलना में इसमें 27 फीसदी का उछाल आया है। जिन 125 जिलों का ऐसा हाल है वे 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। इसलिए इस बार गर्मी के शुरुआती दिनों में ही सूखे की समस्या काफी व्यापक नजर आ रही है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और तमिलनाडु सबसे ज्यादा सूखे की चपेट में दिख रहे हैं। इन राज्यों के कई जिले ड्राई से लेकर एक्सट्रीम ड्राई कंडीशन का सामना कर रहे हैं। सीनियर आईएमडी साइंटिस्ट राजीव चट्टोपाध्याय ने बताया, इन जिलों को ड्राइ कैटेगरी में रखा गया है जिनका SPEI वैल्यू -1 से कम है। मालूम हो कि SPEI के जरिए पानी की मांग पर बढ़ते तापमान का असर मापा जाता है।

भाग-2 **संघ और मुसलमानों को करीब लाने वाले व्यक्ति से विशेष बातचीत**

संघ का वादा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का और इरादा अखंड भारत का

अभिनय आकाश

गतांक से आगे

प्र. आरएसएस हमेशा हिंदू राष्ट्र की बात करता रहा है। ऐसे में फिर मुसलमानों के लिए इस राष्ट्र में जगह कैसे बनेगी?

उ. ईसाई, जैन, बौद्ध, सिख, राधा स्वामी, रविदास, वाल्मिकी में भी ये खड़ा होता है। सिर्फ मुसलमानों को क्यों चिन्हित किया जाता रहा है। फिर सवाल खड़ा होता है कि देश के अंदर इतने मतपंथ और उपमत भी हैं। उन्हें किसी को भी अपनी पहचान का खतरा नहीं लगता है। इन्हीं को क्यों लगता है। इनको इसलिए लगता है कि उन्हें लोग भड़का कर अलग दिखाकर इस खतरे

का अहसास कराते हैं। इस देश के अंदर हम सब 140 करोड़ लोग हिंदुस्तानी, इंडियन, भारतीय थे हैं और सदा रहेंगे। हिंदू नेशन आइडेंटिटी है और मुसलमान रिलीजियस आइडेंटिटी है। हिंदुस्तानी नेशनल आइडेंटिटी है और इस्लाम रिलीजियस आइटेंटिटी है। सारी रिलीजीयस आइटेंटिटी को मिलाकर नेशनल आइटेंटिटी बनती है। अपनी आइडेंटिटी को ठीक रखना और मुसलमानों तक अपनी बातों को ले जाना कि राष्ट्र सर्वोपरि इसलिए इस्लाम में कहा जाता है हुब्बल वतनी निस्फुल ईमान, वतन से मोहब्बत, हिफाजत, तरक्की और कुर्बानी ये ऐसा ईमान है कि इस अकेले एक ईमान से जन्नत स्वर्ग प्राप्त होता है। इसलिए मुसलमान को अगर हर वक्त मुसलमान बनाकर रखेंगे तो ये समस्या खड़ी रहेगी। जिस दिन हम मुसलमानों को हिंदुस्तानी बना लेंगे उस दिन ये समस्या अपने आप खत्म हो जाएगी।

प्र. नफरत और डर जैसी कोई चीज़ नहीं बिकती। चाहे वो खबर हो या राजनीति. सभी लोगों को एक ही चीज़ बेचते हैं। इस माहौल में संघ यह कैसे सुनिश्चित करेगा कि आशा और भाईचारे की उनकी कहानी लोगों के बीच गूंजती रहे। क्या सोशल मीडिया प्रभावितों तक पहुंचने की कोई योजना है? मोदी भी इसके असर को समझ चुके हैं?

उ. मोदी जी पर जितने भी कटाक्ष या प्रहार किए गए। लेकिन मुझे लगता है कि उनकी दिन प्रतिदिन प्रसिद्धी बढ़ती गई। आप यूक्रेन-रूस के युद्ध में देख लीजिए। आज भारत से ये उम्मीद है कि वो मध्स्थता की भूमिका निभाए। भारत की यूक्रेन और रूस से क्या बता की निष्कर्ष ये निकला की तिरंगा उठाओ और पाकिस्तानी भी बचकर आ सकते हैं। कोरोना के अंदर देश के कोरड़ों नागरिकों को और विदेश में खाढ़ा दिलवाया और बाद में वैक्सीन भी दी। पार्टियों ने तो इसे मोदी वैक्सीन बताया। जनता ने उनके मुंह पर चांटा मार दिया। दुनिया ने देखा कि तिरंगा मानवता का प्रतीक है।

मोदी ने एक लाइन बोली की जी20 के अंदर अफ्रीकन यूनियन को सदस्य बनाया जाए। 54 देशों की एक यूनियन एक झटके में बिना किसी डॉयलाग के सर्वसम्मित से हां हो गई। इसलिए जो गालियां देने का काम कर रहे हैं उससे उनकी शैतानी और हीनता सामने आ रही है।

अपने विचार को जनता तक पहुंचाने के लिए संगठन के अपने रीति-रिवाज भी होते हैं। छोटे-बड़े कार्यक्रम किए जाते हैं। सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंच बनाते हैं। सब रास्ते से विचार को जन जन तल ले जा रहे हैं। ज्वाइन आरएसएस के जरिए भी हमने कुछ साल पहले कार्यक्रम चलाया।

नक्सलगढ़ दंतेवाड़ा में पोलिंग बूथ में उमड़ी मतदाताओं की भीड़

दंतेवाड़ा। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हुआ। दंतेवाड़ा जिले में सुबह 7 बजे मतदान शुरू हो गया था। मतदान के प्रति लोगों में काफी उत्साह देखा गया। दूर-दूर के गांवों से लोग अपना मताधिकार का प्रयोग करने मतदान केंद्र तक पहुंचे।

दंतेवाड़ा जिले के ग्राम पंचायत चितालंका के बरसापारा मतदान केंद्र-83 में मतदान के लिए कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक चतुर्वेदी और पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने कतार में लगकर वोट डाला। मतदान करने के बाद कलेक्टर और एसपी ने सेल्फी जोन में सेल्फी भी खिंचवाई। इसके अलावा कलेक्टर ने आम लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में वोट डालने की भी अपील की।

जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांग जनों के लिए गाड़ी की व्यवस्था की गई है। ताकि वह मतदान केंद्र तक आसानी से पहुंच सके और अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। मतदान केंद्रों में प्रशासन ने शीतल पेय जल, दिव्यांगों के लिए बैठने की व्यवस्था, मेडिकल कैंप का व्यवस्था की गई है।

लोग बिना डरे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, इसलिए जिला प्रशासन और पुलिस ने पोलिंग बूथ में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। अंदरूनी क्षेत्रों में सीआरपीएफ, डीआरजी, दंतेश्वरी महिला फाइटर, सीएएफ और पुलिस बल को तैनात किया गया है। ताकि शांतिपूर्वक मतदान संपन्न कराया जा सके।

बस्तर में 14 लाख 72 हजार 207 मतदाता हैं। बस्तर लोकसभा अंतर्गत 8 विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से वोटिंग चालू हुई। इस चुनाव के नतीजे 4 जून को आएंगे। दंतेवाड़ा जिले में कुल 1961 पोलिंग बूथ हैं। पिछली बार बस्तर लोकसभा सीट पर 71.64 फीसदी वोटिंग हुई थी।

लोकसभा चुनाव को लेकर कोंडागांव की महिलाओं में भारी उत्साह

कोंडगांव। बस्तर सीट पर मतदाता बढ़ चढ़कर वोट दे रहे हैं। कोंडगांव जिले में 298 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। लगभग सभी मतदान केंद्रों में मतदान जारी है। सुबह सुबह सबसे पहले कोंडागांव से पूर्व विधायक मोहन मरकाम भी वोट डालने पहुंचे। वोट डालने के बाद उन्होंने लोगों से बढ़चढ़ कर वोट डालने की अपील की और कांग्रेस की जीत का दावा किया।

कोंडागांव में फर्स्ट टाइम वोटर्स ने बताया- देश को विकसित राष्ट्र बनाएं। नई शिक्षा नीति बनाएं जाएं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में और ज्यादा काम हो। यामिनी नेताम ने बताया- क्षेत्रीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा काम हो। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा काम हो।

चांदनी ठाकुर ने बताया- वो तीसरी बार मतदान कर रही है। जो भी पार्टी जीते वो सरकार अच्छे से चलाएं। क्षेत्र में शिक्षा का विकास अच्छे से हो। ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को अच्छी शिक्षा मिले, ये सोचकर वोट कर रही हूं।

मुस्कान सोई ने बताया- देश के विकास को लेकर वोट डालने पहुंची हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास को लेकर वोट डालने पहुंची हूं। केंद्र की मोदी सरकार ने काफी किया है।

श्वेता तिर्की ने बताया कि सुशासन हो, अच्छी व्यवस्थाएं हो, धार्मिक स्वतंत्रता हो, यही चाहते हैं। विकसित भारत के लिए वोट देने आए हैं।

जिला अस्पताल की स्टाफ नर्स रेणुका नेताम ने बताया वोट देने के लिए लाइन में लगे हैं। चुनाव के दिन वोट देना हमारी पहली ड्यूटी है, उसके बाद जिला अस्पताल में अपनी ड्यूटी करने जाउंगी।

बस्तर लोकसभा सीट पर कुल 14 लाख 66 हजार 337 मतदाता है। जिसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 6 लाख 98 हजार 197 है। महिला मतदाताओं की संख्या 7 लाख 68 हजार 88 है। खास बात यह है कि बस्तर में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले 50 हजार से भी ज्यादा है।

बस्तर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर व एसपी ने कतारबद्ध होकर किया मतदान

जगदलपुर। कमिश्नर बस्तर संभाग श्याम धावड़े और आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी. ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत शुक्रवार को जगदलपुर शहर के शहीद भगतसिंह हाईस्कूल में स्थापित मतदान केंद्र क्रमांक 75 में तथा कलेक्टर विजय दयाराम के और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने भैरमगंज स्कूल स्थित मतदान केंद्र 104 में सपरिवार कतारबद्ध होकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस दौरान उन्होंने आदर्श मतदान केंद्र परिसर में बनाये गए सेल्फी जोन में सेल्फी भी ली। वहीं मतदान करने के लिए मतदान केंद्र में पहुंचे मतदाताओं का हौसला-अफजाई की। इस अवसर पर कमिश्नर, आईजी, बस्तर कलेक्टर ने बस्तर लोकसभा के सभी मतदाताओं से लोकतंत्र के इस पर्व में व्यापक सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

कमिश्नर श्याम धावडे ने बस्तर संभाग के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आज लोकतंत्र का महापर्व है और मतदाता के रूप में हम सभी को बहुमूल्य अधिकार मिला हुआ है इसका उपयोग अवश्य करें। बस्तर के सब मतदाताओं से विनम्र अपील करता हूं कि आप मतदान केंद्र जाएं अपने मताधिकार का उपयोग कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सहभागी बनें।

आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी. ने बस्तर अंचल के सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाना हम सब की सयुंक्त जिम्मेदारी है, इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए सभी मतदाता अपने घर से निकलकर मतदान केंद्र तक पहुंचे और निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें,ताकि लोकतंत्र के नींव को मजबूत करें और बस्तर क्षेत्र के विकास हेतु शांति एवं सुरक्षा के लिए अपना अमूल्य योगदान निभाएं। इस मतदान केंद्र पर सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे ने भी कतारबद्ध होकर अपने मताधिकार का उपयोग किया।

स्थानीय शहीद भगतसिंह उच्चतर माध्यमिक स्कूल पथरागुड़ा के परिसर में 04 मतदान केंद्रों मतदान केंद्र क्रमांक 75,76 तथा 146 एवं 148 को आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया है। जहां बस्तर की पारंपरिक लोक संस्कृति को रेखांकित किया गया है। घासफूस की झोपड़ी के साथ गौरसिंग पहने लोकनर्तक,ग्रामीण महिलाओं को बखूबी प्रदर्शित किया गया है। इस आदर्श मतदान केंद्र के सेल्फी बूथ में कमिश्नर बस्तर श्याम धावड़े,आईजी सुंदरराज पी. सहित कलेक्टर विजय दयाराम, एसपी शलभ सिन्हा, सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे,नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी तथा अन्य अधिकारियों ने मतदान के उपरांत एक साथ सेल्फी खिंचवाई। वहीं अन्य मतदाताओं को मताधिकार का उपयोग करने अभिप्रेरित किया।

शहीद भगतसिंह स्कूल में स्थापित आदर्श मतदान केंद्रों में दिव्यांग मतदाताओं के साथ ही वयोवृद्ध मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग कर अन्य मतदाताओं को मतदान करने के लिए सन्देश दिया। यहां के आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 75 में हाउसिंग बोर्ड कालोनी निवासी 66 वर्षीय दिव्यांग बृजमोहन मेहरा तथा 56 वर्षीय दिव्यांग श्रीमती ममता ननकानी ने परिजनों के सहयोग से अपने मताधिकार का उपयोग किया। वहीं आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 146 में 72 वर्षीय दिव्यांग शेख जुमन रिजवी ने अपनी पत्नी 68 वर्षीया शबीना बानो रिजवी के साथ मतदान कर अन्य मतदाताओं को मताधिकार का उपयोग अवश्य करने का संदेश दिया।

बस्तर में नक्सली धमकी का नहीं दिखा असर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में पहले चरण का मतदान हुआ। 19 अप्रैल का ये दिन बस्तरवासियों के लिए नई सुबह लेकर आया है। बस्तर लोकसभा सीट के लिए नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में लोगों के बीच खासा उत्साह था। मतदान को लेकर मतदाता उत्साहित थे। अबूझमाड़ के मतदान केंद्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ग्रामीण मतदान करने पहुंचे। नारायणपुर के दंडवन क्षेत्र से भी एक अच्छी तस्वीर सामने आई है। यहां 11 बजे तक 27.80 प्रतिशत मतदान हुआ है।

लोकसभा चुनाव से दो दिन पहले 17 अप्रैल को नक्सलियों ने बीजेपी नेता पंचम दास की हत्या कर दी थी। नक्सलियों के चुनाव बहिष्कार के ऐलान के बाद भी दंडवन के ग्रामीणों में इसका कोई असर नहीं देखने को मिला। मतदान की शुरुआत होते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण दंडवन पोलिंग बूथ पर जुटे हैं। ग्रामीणों की भीड़ मतदान शुरु होने के एक घंटा पहले ही पोलिंग बूथ पर पहुंच गई थी।आपको बता दें कि इसी गांव में नक्सलियों ने दो दिन पहले पुलिस मुखबिर बताकर बीजेपी नेता की हत्या की थी।साथ ही साथ ग्रामीणों को मतदान में हिस्सा ना लेने की धमकी दी थी।बावजूद इसके ग्रामीणों ने मतदान के महापर्व में हिस्सा लिया।

नारायणपुर जिले के फरसगांव थाना क्षेत्र के दंडवन गांव में बीजेपी नेता और उपसरपंच पंचम दास की 17 अप्रैल को हत्या हुई थी। रात करीब 11 बजे नक्सलियों की स्मॉल एक्शन टीम पंचम के घर पहुंची।इसके बाद उसे अगवा करके अपने साथ सुनसान जगह ले गए।जहां धारदार हथियार से नक्सलियों ने पंचम की हत्या कर दी।

बस्तर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने पंचम दास को शक्तिकेंद्र सह संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी थी। क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी महेश कश्यप के लिए चुनाव प्रचार का काम कर रहा था। हत्या के बाद नक्सलियों ने घटना स्थल के आसपास जगह-जगह बैनर बांधे थे। साथ ही कई पर्चे भी फेंके। बैनर पर्चों में नक्सलियों ने पंचम दास पर जनविरोधी, भ्रष्टाचार और पुलिस मुखबिरी का आरोप लगाया था। इस दौरान नक्सलियों ने लोकसभा चुनाव बहिष्कार की धमकी भी दी थी।

यूबीजीएल विस्फोट से घायल जवान की हुई मौत, आईईडी विस्फोट से 1 जवान घायल

बीजापुर। जिले में बस्तर लोकसभा चुनाव के दौरान हुए दो विस्फोटों में थाना उसूर क्षेत्र अंर्तगत गलगम मतदान केंद्र से 500 मीटर की दूरी पर सर्चिंग पर निकले सीआरपीएफ 196 के जवान के पास मौजूद यूबीजीएल सेल में दुर्घटनावश विस्फोट होने से एक जवान आरक्षक देवेन्द्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिनको बेहतर ईलाज हेतु एयर एम्बूलेंस हेलीकॉप्टर के माध्यम से तत्काल जगदलपुर मेडिकल कॉलेज लाया गया था, ईलाज के दौरान आरक्षक देवेन्द्र कुमार की मृत्यु हो गई है। मृतक सीआरपीएफ आरक्षक देवेन्द्र कुमार,उम्र 32 वर्ष निवासी धोबीगुड़ा, जिला बस्तर के समस्त कार्यवाही के पश्चात उनका अंतिम क्रियाकर्म गृहग्राम धोबीगुड़ा में 20 अप्रेल को संपन्न किया जावेगा। वहीं बीजापुर जिले के ही भैरमगढ़ थाना क्षेत्र अंर्तगत चिहका मतदान केंद्र के आस-पास के दायरे में सर्चिंग के लिए निकले थे। इसी दौरान आईईडी विस्फोट से सीआरपीएफ-62/ई के असिस्टेंट कमांडेंट मनु एचसी के बाएं पैर और बाएं हाथ में चोट आई है, जिसका उपचार जारी है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि दुर्भाग्यवश उपचार के दौरान घायल आरक्षक देवेन्द्र कुमार की मौत हो गई है। उन्होने कहा कि गलगम घटनास्थल के निरीक्षण/जांच हेतु विशेषज्ञों की टीम रवाना किया गया है, जिससे विस्फोट के कारणों से संबंधित जानकारी प्राप्त किया जा सके। घायल असिस्टेंट कमांडेंट मनु एचसी की स्थिति सामान्य और खतरे से बाहर है।

नदी-नाले पार कर वोट डालने पहुंचे ग्रामीण

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ की बस्तर लोकसभा सीट के लिए मतदान शुक्रवार को हुआ। मताधिकार का प्रयोग करने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बस्तर में एक बजे तक 42.57 फीसदी मतदान हुआ है। बस्तर लोकसभा सीट के नारायणपुर जिले के तहत आने वाले छोटे डोंगर गांव में एक अलग ही नजारा देखने को मिला। ग्रामीण मतदान के समय से पहले ही पोलिंग बूथ पर पहुंच गए थे। मतदान केंद्र का गेट खुलने पर मतदाताओं ने वोट डालने के लिए दौड़ लगाते हुए लाइन में लग अपनी बारी का इंतजार करते रहे। सुकमा जिले में भी मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। नक्सल प्रभावित इलाकों से ग्रामीण अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंचे। केरलापाल के पोंगाभेजी, रबड़ीपारा और सिरसट्टी इलाके से बड़ी संख्या में आदिवासी ट्रैक्टरों में सवार होकर वोट डालने पहुंचे। बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र के गलगम इलाके में एरिया डॉमिनेशन पर निकली सीआरपीएफ की टीम में तैनात एक जवान यूबीजीएल सेल ब्लास्ट होने से जख्मी हो गया। वहीं घटना पर सीएम साय ने दुख जताया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर लोकसभा में जारी मतदान के बीच बीजापुर में यूबीजीएल ब्लास्ट होने से मतदान केंद्र की सुरक्षा में लगे एक जवान के घायल होने की दु:खद सूचना प्राप्त हुई है। घायल जवान के उचित इलाज के निर्देश दिए हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर है। जवान के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कड़ी सुरक्षा में हुआ बस्तर सीट के लिए वोटिंग

बीजापुर। छत्तीसगढ़ की बस्तर लोकसभा सीट के लिए पहले चरण का मतदान शुक्रवार को हुआ। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में आठ विधानसभा क्षेत्र है। इनमें कोंडागांव, नारायणपुर, चित्रकोट,दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा में सुबह सात बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान हुआ। जबकि बस्तर और जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में सुबह सात से शाम पांच बते तक मतदान हुआ। इस सीट की चुनावी रण में कुल 11 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमाने उतरे हैं। हालांकि, कांग्रेस के कवासी लखमा और भाजपा के प्रत्याशी महेश कश्यप के बीच सीधा मुकाबला है।आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने कहा कि बस्तर लोकसभा क्षेत्र में पहले चरण का मतदान शुरु हो गया है। सभी लोग उत्साह के साथ मतदान केंद्र पहुंच रहे हैं। चुनाव को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

बारात निकलने से पहले दुल्हा ने किया मतदान

जगदलपुर। बस्तर लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह है। इसी बीच बीजापुर से एक ऐसी तस्वीर सामने आई जिसमें दूल्हा दीपक गुप्ता का बारात निकलने से पहले परिजनों के साथ बीजापुर के मतदान केंद्र क्रमांक 160 राउतपारा में पहुंचा और मतदान किया। दीपक ने कहा कि देश को मजबूत लोकतंत्र देना, हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए। वहीं नारायणपुर में दूल्हा देवेश ठाकुर विवाह के तुरंत बाद दुल्हन गंगोत्री ठाकुर के साथ नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 42 गुरिया पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेना हमसब का कर्तव्य है, इसलिए शादी के बाद पहला काम बूथ पर मतदान करने के रूप में किया।

नक्सलियों की धमकी से लोगों में दहशत

सुकमा। छत्तीसगढ़ की नक्सल प्रभावित बस्तर लोकसभा सीट पर भी लोग कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान कर लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग ले रहे है। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आंकड़े के मुताबिक बस्तर लोकसभा में अब तक 58.14% मतदान हुआ है। वहीं, बस्तर का एक ऐसा मतदान केंद्र भी है जहां दोपहर 3 बजे तक यहां एक भी वोट नहीं पड़ा। इसकी हैरान कर देने वाली वजह भी सामने आई है। दरअसल, बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सुकमा जिले में स्थित खूंखार नक्सली हिड़मा का गांव पूवर्ती सुरक्षा के लिहाज से अति संवेदनशील इलाका माना जाता है, जिसके चलते जिला प्रशासन ने पूवर्ती बूथ को सिलगेर शिफ्ट कर कड़े सुरक्षा के इंतजाम किए गए है। बावजूद इसके लोग मतदान करने नहीं पहुंच रहे है। बता दें कि विगत 3 दशक से इस गांव के लोग मतदान में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, क्योंकि नक्सली मतदान करने वाले ग्रामीणों की उंगली काट देते थे। हाल ही में इस क्षेत्र में सुरक्षाबल के जवानों ने कैंप खोला है।

कोरिया में आग बुझाने का जिम्मा सिर्फ एक वाहन पर

कोरिया। छत्तीसगढ़ में अब भीषण गर्मी की शुरुआत हो चुकी है।ऐसे में कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं तेजी से बढ़ेंगी।वहीं सुरक्षा इंतजाम की बात करें तो जिले में आग बुझाने के लिए सिर्फ एक दमकल वाहन है।जिसके जिम्मे तीन जिले हैं।इस वाहन का इस्तेमाल कोरिया जिले के साथ सूरजपुर और एमसीबी जिले में होता है।ऐसे में यदि दो जगहों पर आगजनी की घटना हुई तो आप अंदाजा लगा सकते हैं, कि किस तरह से आग पर काबू पाएगा।ऐसी कई घटनाएं हुई हैं जिनमें सब कुछ खत्म हो जाने के बाद दमकल की गाड़ी पहुंचती है।जिसका काम सिर्फ राख को ठंडा करना होता है। नगर सेना के पास सिर्फ एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी सही सलामत है। जिसके जिम्मे कोरिया और एमसीबी जैसा बड़ा जिला है। कोरिया जिले में दमकल ग्रामीण इलाकों में लगने वाले पैरे से लेकर एसईसीएल क्षेत्रों में कोयले की आग तक बुझा रहे हैं। अक्सर कोयले की गुड्स ट्रेन में आगजनी की घटनाएं होती है। जिसे बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम मुस्तैद रहती है।

संतोष कौशिक ने थामा भाजपा का दामन

तखतपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस नेता व बिलासपुर लोकसभा चुनाव संयोजक संतोष कौशिक को भाजपा में प्रवेश कराया है। तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह की अगुवाई में संतोष कौशिक, तखतपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष राजेश्वरी जुगल कौशिक, जनपद उपाध्यक्ष दिव्या नितेश मिश्रा, पूर्व जनपद अध्यक्ष दिनेश कौशिक, जनपद सदस्य रवि सोनी, पूर्व जनपद सदस्य राकेश तिवारी समेत आधा दर्जन कांग्रेसियों ने भाजपा का दामन थमा है। संतोष कौशिक तीन बार तखतपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं चुनाव। इसमें 2008, 2013 में बसपा से और 2018 में जेसीसीजे से किस्मत अजमा चुके हैं। संतोष कौशिक कुर्मी समाज के वर्चस्वधारी नेता हैं।

व्यापारी की कार से साढ़े 11 लाख कैश जब्त

सक्ती। जिले में एफएसटी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। एफएसटी टीम ने यहां एक व्यापारी की कार से साढ़े 11 लाख रुपए बरामद किए हैं। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वाहनों की चेकिंग के दौरान यह कार्रवाई की गई। बताया जा रहा है कि चांपा के व्यापारी अनूप कुमार अग्रवाल अपनी कार से रकम लेकर रायगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी बीच लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिले के बॉर्डर एरिया में स्थापित स्वस्छ चेक प्वाइंट में कार की तलाशी ली गई। इसमें व्यापारी के कार की सीट के नीचे एक बैग से साढ़े 11 लाख रुपए नगद पाए गए। अधिकारियों ने रुपए के संबंध में कागजात मांगे मगर मौके पर व्यापारी के पास कोई दस्तावेज मौजूद नहीं थे। फिर एफएसटी टीम के अधिकारियों ने रुपए जब्त कर आयकर विभाग को सौंप दिया है।

भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशियों ने मतदान कर किया जीत का दावा

जगदलपुर। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में जारी मतदान के बीच बस्तर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने गृहग्राम कलचा के बूथ क्रमांक 30 में कतार में लगकर मतदान किया। मतदान के बाद भाजपा प्रत्याशी ने जीत का दावा करते हुए कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री की गारंटी के साथ मुझ पर भरोसा है। वहीं बस्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी व पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने पत्नी संग सुकमा जिले के अपने गृह ग्राम में मतदान किया। वोटिंग के बाद की कवासी लखमा ने जीत का दावा किया।

छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव सरकार के वन मंत्री केदार कश्यप ने गृहग्राम फरसागुड़ा में कतार में लगकर मतदान किया। मतदान के बाद मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर वासियों से अधिक से अधिक मतदान की अपील

की। कांग्रेस के बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि क्षेत्र के मतदाताओं में मतदान को लेकर भारी उत्साह है। हम सभी मतदाताओं से अपील करते है कि मतदान केंद्र पहुंच कर वोट डालें। विक्रम मंडावी ने इस बार वोट का प्रतिशत बढने की उम्मीद जताई है।

कोंडागांव विधायक लता उसेडी ने सरगीपाल स्थित मतदान केंद्र पर कतार में लगकर मतदान किया। मतदान के बाद उन्होंने कहा कि 400 पर के अभियान में आज हम सब मतदान करने आएं है और विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए मैं सभी मतदाताओं को प्रथम चरण के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी महेश कश्यप को वोट देकर मोदी जी की गारंटी को पूरा करने में आप सभी का आशीर्वाद चाहिए।

पूर्व मंत्री मोहन मरकाम ने कोंडागांव भेलवापदर स्थित मतदान केंद्र पर मतदान किया। मतदान के बाद मीडिया कर्मियों से उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के पर्व में सबको वोट डालने का अधिकार है। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीटों पर हम कोशिश कर रहे हैं जीत दर्ज कर सके। बस्तर लोकसभा क्षेत्र के दंतेवाड़ा जिले में विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी ने बूथ क्रमांक 47 मझारपारा कासोली पहुंच कर सहपरिवार मतदान किया। दंतेवाड़ा के विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि सभी मतदान अवश्य करें और लोकतंत्र के पर्व में अधिक से अधिक मतदान कर जिम्मेदार नागरिक होने का कर्तव्य निभाएं।

चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक विनायक गोयल ने परिवार के साथ मतदान किया। विधायक विनायक गोयल ने कहा कि पूरे बस्तर के साथ गांव-गांव के विकास के लिए हमने मतदान किया है। लोकसभा चुनाव के लिए बस्तर लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी महेश कुमार गोटा ने फरसेगढ़ में मतदान किया। मतदान के बाद महेश कुमार गोटा ने बस्तर के वोटरों से अधिक से अधिक वोटिंग की अपील की।

समय पर पहुंच समझाइश देकर प्रशासन ने रूकवाया बाल-विवाह

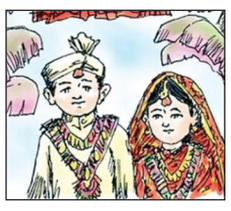

जांजगीर-चांपा। सूचना मिलने पर जिला प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित विवाह वाले घर पहुंची और हल्दी की रस्म के बाद दूल्हे के साथ रवाना होने वाली बारात को रोका प्रशासनिक टीम के सदस्यों ने परिवार जनों को बाल विवाह रोकने की समझाइश दी गई जिस पर सभी सहमत हो गए और विवाह को रोक दिया।

बाल विवाह का यह पूरा मामला पामगढ़ जनपद पंचायत के ग्राम भिलोनी का है।जिला प्रशासन को सूचना मिली थी कि ग्राम भिलौनी में दूल्हे की उम्र कम है, जिसपर कलेक्टर आकाश छिकारा ने बाल विवाह रोकने के निर्देश महिला एवं बाल विकास विभाग को दिये। निर्देश मिलने के बाद महिला बाल विकास अधिकारी अनीता अग्रवाल पुलिस दस्ते के साथ नाबालिग बालक के घर पहुंची। उन्होंनें दूल्हे की अंकसूची दिखाने को कहा।अंकसूची में दूल्हे की उम्र 20 साल 9 माह 10 दिन पाई गई है। वहीं मुंगेली जिले की जिस बालिका के साथ विवाह तय हुआ उसकी उम्र भी कम थी। इसके बाद महिला एवं बाल विकास अधिकारी व पुलिसकी टीम ने दूल्हे के माता-पिता को शादी नहीं करने की समझाइश दी।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी अनीता अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नाबालिग बालक के घर में हल्दी और मेंहदी की रस्म पूरी कर ली गई थी। मुंगेली जिला बारात जाने के लिए तैयारी चल रही थी, जिसे समय रहते बारात को रोका गया।इस दौरान मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने बाल विवाह से होने वाली परेशानियों से अवगत कराया। साथ ही कानूनी कार्रवाई के बारे में भी बताया गया, जिसमें बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत विवाह के लिए लड़के की उम्र 21 वर्ष और लड़की उम्र 18 वर्ष निश्चित है।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा चुनाव के लिए नियुक्त पुलिस ऑब्जर्वर पहुंचे रायपुर

रायपुर। रायपुर लोकसभा के लिए निर्वाचन आयोग ने गुजरात कैडर के पुलिस महानिरीक्षक आईपीएस बिपिन शंकर राव अहीरे को पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। उक्त आदेश के तहत अहीरे 18 अप्रैल को रायपुर में पहुंच गए। निर्वाचन/ चुनाव संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर इस मोबाइल नंबर 764704 6304 पर संपर्क किया जा सकता है। बता दें कि आईपीएस अहीरे को रायपुर लोकसभा क्रमांक 8 के विधानसभा क्रमांक 45 बलोदा बाजार, विधानसभा क्रमांक 46 भाटापारा, विधानसभा क्रमांक 47 धरसींवा, विधानसभा क्रमांक 48 रायपुर ग्रामीण, विधानसभा क्रमांक 49 रायपुर शहर पश्चिम, विधानसभा क्रमांक 50 रायपुर शहर उत्तर, विधानसभा क्रमांक 51 रायपुर दक्षिण, विधानसभा क्रमांक 52 आरंग और विधानसभा क्रमांक 53 अभनपुर के लिए पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने डाला वोट

रायपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र में मतदान हो गया। यहां सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो गया था। लगातार लोग बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किए। इस बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव ने मतदान केन्द्र पहुंचकर वोट डाला। साथ ही लोगों से ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील भी की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने लोकतंत्र के पर्व को हर्षों उल्लास के साथ मनाते हुए शुक्रवार को बस्तर लोकसभा में हो रहे चुनाव में सपरिवार अपना मतदान कर सभी से मतदान करने की अपील की थी।

उरला के एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग छह ट्रांसफार्मर जलकर खाक

रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र स्थित गणपति इस्पात परिसर में लगे बिजली ट्रांसफार्मर में शुक्रवार सुबह नौ बजे भीषण आग लग गई है। वहां मौजूद सात ट्रांसफार्मर में से छह पूरी तरह जलकर खाक हो गई है। घटना की सूचना मिलने दमकल की टीम मौके पर पहुंची। लगभग डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। बताया जा रहा है कि ट्रांसफार्मर से छोटी सी चिंगारी उठी। इसके बाद कुछ मिनटों में चिंगारी भीषण आग के रूप में बदल गया। आग की लपटें दूर तक दिखाई दे रही थी। मौके पर दमकल की तीन गाडियां पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने से फैक्ट्री को लाखों का नुकसान होने की आशंका है। बताया जा रहा है कि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप रायपुर में आज

रायपुर। 21 अप्रैल को छग पावर लिफ्टिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वाधान में पहली बार नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन दत्तात्रेय मंदिर ब्रम्हपुरी पुरानी बस्ती रायपुर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उदघाटन समारोह सुबह 11 बजे मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा सांसद श्री सुनील सोनी करेंगे, विशेष अतिथि रवि शर्मा, अध्यक्ष एनएसएफ समाज सेवी अरुण विश्वकर्मा एव वीर हनुमान सिंह अवॉर्डी छग शासन के संजय शर्मा होंगे। पुरस्कार वितरण समारोह रात्रि 7 बजे किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल शिक्षा मंत्री छग शासन एवं विशेष अतिथि दत्तात्रेय मंदिर समिति के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल होंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार और महासचिव लखपति सिंदूर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर के करीब 400 से अधिक खिलाड़ी आयेंगे जिसमे छग पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस, रेलवे, बीएसएनएल, बीएसएफ, सिविल सर्विसेज के करीब 200 खिलाड़ी भाग लेंगे।

मुद्दाविहीन हो चुकी कांग्रेस जनता को भरमाने का कर रही है षड़यंत्रः साय

सरगुजा संभाग में जनता ने कांग्रेस का सूपड़ा साफ किया, अब लोकसभा में भी करना है - मुख्यमंत्री

सरगुजा। कांग्रेस मुद्दाविहीन हो चुकी है इसलिए जनता को अलग-अलग मुद्दों पर भरमा रही है, तरह-तरह के षडयंत्र कर रही है। लेकिन मैं आप सभी को आश्वस्त करने आया हूँ कि हताश और निराश हो चुकी कांग्रेसियों के इस बहकावे में बिल्कुल मत आइये। आरक्षण कभी खत्म नहीं होगा, जब तक हम सरकार में हैं महतारी वंदन योजना भी बंद नहीं होगी। महिलाओं को निरंतर इसका लाभ मिलता रहेगा। सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर में आयोजित विजय संकल्प जनसभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ये बातें कही।

श्री साय ने कांग्रेस को जमकर कोसा और कहा कि कांग्रेसी जगह-जगह फार्म भरवा कर जनता को ठग रहे हैं कि उनकी सरकार बनी तो महिलाओं को हर महीने 8 हजार और साल में एक लाख देंगे। लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं होने वाला है। श्री साय ने कहा कि प्रदेश की जनता ने पहले ही छत्तीसगढ़ की सत्ता भाजपा को सौंप दी है और केंद्र में कांग्रेस के आने की कोई संभावना ही नहीं है। ये सब जानते हुए भी कांग्रेसी जनता को ठगने का नया पैंतरा ले कर आए हैं, जिसका जनता करारा जवाब देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार में 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। कांग्रेस ने शराब, कोयला, रेत, सरकारी जमीन, डीएमएफ की राशि सब में घोटाला किया। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार ने युवाओं को जुआ का लत लगा दिया। जो छत्तीसगढ़ के लिए शर्म की बात

है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में हुए घोटाले के आरोपी आज जेल की हवा खा रहे हैं। कभी गद्दे में सोने वाले आज जेल में नीचे सो रहे हैं, मच्छर से परेशान हैं। ये सब उनके किये की सजा उनको मिल रही है। कांग्रेस को फिर से सबक सिखाना है, खाता खोलने भी नहीं देना है। श्री साय ने कहा कि ये चुनाव कोई साधारण चुनाव नहीं है, ये बहुत ही महत्वपूर्ण चुनाव है। ये चुनाव देश के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया। उन्होंने पूरी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ाया, भारत का डंका बजाया। मोदी जी ने अपनी दूरदृष्टि से भारत को आर्थिक स्थिति की दृष्टि से 11वें स्थान से 5वें स्थान पर लाया। उन्होंने कहा कि हमें विकसित भारत बनाना है इसलिए मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना जरूरी है। ये चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में भारत 2029 तक दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बने इसका चुनाव है।

विष्णु देव साय ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 4 महीने उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी। 12 लाख किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी। श्री साय ने कहा कि न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिला शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन योजना के दूसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रान्सफर कर दी है। हर महीने के पहले सप्ताह को किश्त की राशि दे दी जाएगी, ये भरोसा मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दिलाया। श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी हो चुकी है, जिससे कि प्रदेश के रामभक्त अयोध्या में भांचा राम के दर्शन का लाभ पा रहे हैं। उन्होंने 5500 रूपये प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के आदेश भी दे दिए जाने की बात कही। साथ ही उन्होंने मोदी की गारंटी में जो बचे वादे हैं उनको भी सांय-सांय पूरा करने की बात कही।मुख्यमंत्री ने भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र के बारे में कहा कि हमने देशवासियों के हित के लिए संकल्प पत्र जारी किया है। जिसे मोदी की गारंटी भी कहते हैं। मोदी सरकार में पिछले 10 वर्षों में 4 करोड़ पीएम आवास बने, अगले पांच साल में 3 करोड़ नए पीएम आवास बनाना है। अब 70 साल तक के बुजुर्गों का भी मुफ्त में आयुष्मान भारत योजना में इलाज होगा। मुद्रा योजना के तहत बेटे-बेटियों को 10 लाख की जगह 20 लाख तक का लोन मिलेगा। अब पाइपलाइन के माध्यम से रसोई गैस घर-घर तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वो पूरा भी करती है, कांग्रेस की तरह झूठ नहीं बोलती। इसलिए मोदी जी को चुनिए, संकल्प पत्र का सभी वादा पूरा होगा।

श्री साय ने कहा कि भारत का गौरव बढ़ाने वाले नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आप सभी को चिंतामणि महाराज को सांसद बनाना होगा। आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर चिंतामणि महाराज को प्रचंड मतों से जिताना होगा। यह आशीर्वाद आप सभी से मांगने आया हूँ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरगुजा संभाग की जनता का विशेष आभार जताया। उन्होंने कहा कि आप सभी ने विधानसभा चुनाव में सरगुजा संभाग की सभी 14 सीटों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ किया और भाजपा की सरकार बनाई इसके लिए आप सभी को जोहार, आप सभी का धन्यवाद। हमने मोदी की गारण्टी के सभी प्रमुख वादों को प्राथमिकता से पूरा किया है, बचे वादे को भी सांय-सांय पूरा करेंगे।

जनसभा में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, लोकसभा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज, मंत्रीगण रामविचार नेताम, लक्ष्मी राजवाड़े, श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक गण प्रबोध मिंज, राजेश अग्रवाल, रामकुमार टोप्पो, उद्देश्वरी पैंकरा, शकुंतला सिंह पोर्ते, भूलन सिंह मरावी, पूर्व संगठन महामंत्री राम प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल, राजा पांडेय, पूर्व मंत्री रामसेवक पैंकरा, रजनी त्रिपाठी, ललन प्रताप सिंह, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अखिलेश सोनी, चंपा देवी पावले आदि उपस्थित थे।

योगी और प्रियंका एक ही दिन गरजेंगे राजनांदगांव में

आचार्य धीरेंद्र शास्त्री की भी ऐसे हो रही इंट्री

रायपुर। राजनांदगांव लोकसभा सीट के लिए 26 अप्रैल को मतदान होना है। इसके पहले प्रमुख राजनीतिक दल कांग्रेस और भाजपा ने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंक दी है। 21 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जहां भाजपा प्रत्याशी संतोष पांडे के पक्ष में चुनावी आमसभा को संबोधित करेंगे वहीं कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल के लिए प्रियंका गांधी भी इसी दिन एक बड़ी आमसभा को संबोधित करेंगी। दोनों दल आमसभा की तैयारी को लेकर पूरी ताकत के साथ जुटे हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक 21 अप्रैल को ही योगी आदित्यनाथ सरोज पांडेय के पक्ष में प्रचार के लिए कोरबा लोकसभा क्षेत्र में भी सभा लेंगे। 22 अप्रैल को सतपाल महाराज की भी चुनावी सभा चिरमिरी में प्रस्तावित है।

मिली जानकारी के अनुसार योगी आदित्यनाथ खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुमर्दा के सागर ग्राउंड में 21 अप्रैल को दोपहर 12 ।30 बजे बड़ी आमसभा करेंगे।

इसी दिन डोंगरगांव विधानसभा के अंतर्गत आने वाले मोहड़ में कांग्रेस की राष्ट्रीय नेत्री श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा दोपहर 2 बजे एक बड़ी आमसभा को संबोधित करेंगी। प्रियंका का दौरा कार्यक्रम तय हो चुका है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने मोहड़ पहुंचकर तैयारियों का जायजा भी ले लिया है।

उल्लेखनीय की गत सप्ताह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी खैरागढ़ में एक बड़ी चुनावी आमसभा को संबोधित कर चुके हैं। चुनाव प्रचार के लिए अब कुछ दिन ही शेष रहने के कारण भाजपा और कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में पूरी ताकत झोंक दी है।

आचार्य धीरेंद्र शास्त्री भी 26 अप्रैल को छत्तीसगढ़ में भाजपा के स्टार प्रचारकों के अलावा बागेश्वर धाम से आचार्य धीरेंद्र शास्त्री भी 26 अप्रैल को छत्तीसगढ़ प्रवास में रहेंगे। बताया गया कि वे भी कोरबा, चिरमिरी के हिन्दुवादी संगठनों द्वारा हनुमान जन्मोत्सव को लेकर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की सुरक्षा में चूक

कवर्धा के पुलिस ग्राउंड की जगह पीजी कॉलेज ग्राउंड में लैंड हुआ हेलीकॉप्टर

कबीरधाम। स्थानीय कवर्धा विधायक और राज्य के डिप्टी सीएम विजय शर्मा की सुरक्षा में बड़ी चूक हुई है। वे आज शुक्रवार को जिले के विभिन्न जगह में चुनावी दौरे पर हैं। उनका हेलीकॉप्टर कवर्धा के पुलिस ग्राउंड में लैंड होना था। लेकिन ये भटक कर शहर के पीजी कॉलेज ग्राउंड में लैंड हो गया। इस दौरान ग्राउंड में कोई भी सुरक्षा नहीं थी, यहां तक की बैरिकेड्स तक नहीं लगे थे।

पीजी कॉलेज ग्राउंड में हेलीकॉप्टर लैंड होने के बाद लोगों की भीड़ लग गई। इसके बाद डिप्टी सीएम वाहन से सांसद निवास गए। बता दें कि जिले में इस तरह की यह दूसरी घटना है कि हेलीकॉप्टर अपने तय जगह को छोड़कर दूसरे जगह पर लैंड हुआ है। इससे पहले इसी साल जनवरी माह में ग्राम कुसुमघटा में आयोजित कार्यक्रम के लिए सीएम विष्णूदेव साय का हेलीकॉप्टर भटक कर पुलिस

लाइन कवर्धा में उतर गया था, जबकि उन्हे ग्राम कुसुमघटा जाना था।

पुलिस लाइन शहर के बाहर है जहां परमानेंट हेलीपेड की सुविधा है। वहीं पीजी कॉलेज ग्राउंड में हेलीपैड है, जहां हेलीकॉप्टर लैंड होने पर सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। शुक्रवार को पीजी कॉलेज ग्राउंड में सुरक्षा नहीं थी।

बस्तर के मतदान केंद्रों की रखी गई लाइव निगरानी

रायपुर। लोकसभा चुनाव 2024 अंतर्गत प्रदेश में प्रथम चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र में हो रहे मतदान की पल-पल की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले स्वयं नियंत्रण कक्ष के माध्यम से निर्वाचन गतिविधियों की निगरानी कर रही थी।

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 1961 मतदान केंद्रों में से 811 मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग के माध्यम से मतदान प्रक्रिया की निगरानी की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में स्थापित कमांड और कंट्रोल सेंटर में 16 बड़ी स्क्रीन पर एक साथ 144 मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग के जरिए लाइव वीडियो देखी जा रही थी। जिलावार और विधानसभावार हर 30 सेकंड में मतदान केंद्र स्क्रीन पर बदलेंगे, जिससे सभी मतदान केंद्रों से आ रहे वीडियो को बारी-बारी से देखा जा सके।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार

स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिए वेबकास्टिंग के माध्यम से कुल मतदान केंद्रों में से आधे मतदान केंद्रों से सीधी तस्वीरें प्राप्त की जा रही थी। निर्वाचन के दौरान मतदान केंद्रों से सीधी तस्वीरें प्राप्त करने के लिए कैमरे स्थापित किए गए थे। यह पहली बार है कि मतदान केंद्र के अंदर के साथ ही बाहर भी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे मतदाताओं की कतारों और बाहर की अन्य गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी।

लोकसभा चुनाव के दौरान पहले चरण में जहां 811 मतदान केंद्रों से सीधी तस्वीरें प्राप्त की गई, वहीं दूसरे चरण में होने वाले तीन लोकसभा क्षेत्रों के लिए 3243 मतदान केंद्रों से और तीसरे और अंतिम चरण में सात लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के दौरान 7856 मतदान केंद्रों से लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। इस प्रकार तीनों चरणों में कुल 11 हजार 910 मतदान केंद्रों पर वेब-कास्टिंग के जरिए मतदान की गतिविधियों पर नजर रखी जाएंगी। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को लाइव वीडियो के माध्यम से जिला स्तर के साथ ही मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय और भारत निर्वाचन आयोग के मुख्यालय स्तर पर देखी जा रही है। मतदान केंद्रों में कुछ भी गड़बड़ी होने पर उड़न दस्ता की टीम को तत्काल निर्देशित किया जाता है और मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करते हैं।

हफ्ते में तीन दिन निगम अधिकारी करेंगे ये कार्रवाई

रायपुर। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने जोन कमिश्नरों को सड़क पर रखे कंडम वाहन, सड़क पर अतिक्रमण कर ठेले-गुमटी लगाने वालों के खिलाफ सप्ताह में तीन कार्रवाई का आदेश जारी कर दिया है।इस आदेश में उन्होंने भवन निर्माण सामग्रियों के कचरे (सीएनडी वेस्ट) और निर्माणाधीन ऐसे मकान जहां ग्रीन नेट नहीं लगाया गया है, उनके खिलाफ भी कार्रवाई का निर्देश दे दिया। आयुक्त ने कहा कि इन सभी कार्रवाई की दैनिक रिपोर्ट मुख्यालय में प्रस्तुत करें जिस पर सप्ताह में एक दिन समीक्षा की जाएगी। दस दिन पहले आयुक्त ने अप्रैल-मई और जून महीने में घर-घर जाकर नल की सप्लाई पानी का प्रेशर जांचकर रिपोर्ट देने कहा था।

उस रिपोर्ट में भी अब ढिलाई शुरू हो गई है, शहर की घनी आबादी वाले वार्डों में गर्मी बढ़ने के साथ ही एक बार फिर पानी के प्रेशर में शिकायतें आने लगी हैं। इस मामले में नगर

निवेशक निशिकांत वर्मा के मुताबिक कमिश्नर के निर्देश पर कार्रवाई करने के लिए जोनवार सूची बनाई गई है। इसमें कौन सा जोन सप्ताह के किन 3 दिनों में कार्रवाई करेगा, इसका भी प्रारूप बनाया गया है। ये कार्रवाई सोमवार से शुक्रवार तक सप्ताह में 5 दिन की जाएगी। इन्हीं पांच दिन में से तीन दिन तय किये गये हैं। यहां पर्यावरण संरक्षण मंडल की गाइडलाइन के अनुपालन में निर्माणाधीन मकानों में ग्रीन नेट नहीं लगाने पर जुर्माना लगाकर वहां ग्रीन नेट भी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क पर कंडम पड़े वाहनों को जब्त करने के लिए कहा गया है।

वोट डालने के बाद लखमा ने कहा- आदिवासियों के लिए मर सकता हूं, कश्यप ने कहा-छोड़नी पड़ेगी राजनीति

जगदलपुर। बस्तर लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा और भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने वोट डाला। कवासी लखमा ने कोंटा विधानसभा के नागारास में वोट डाला तो महेश कश्यप ने जगदलपुर विधानसभा के कलचा में मतदान किया। मतदान करने के बाद दोनों ही अपनी पार्टियों के जीत के दावे करने लगे और एक दूसरे पर आरोप मढ़ने लगे।

कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा ने बस्तर के लोगों को ज्यादा से ज्यादा वोट डालने की अपील की। लखमा ने कहा- यहां ऐसे नेता की जरूरत है जो बस्तर की आवाज दिल्ली तक पहुंचा सके। बस्तर में विकास नहीं है, ट्रेन नहीं है, रोड नहीं है। पोलावरम का बड़ा मुद्दा हैं। बैलाडीला नंदराज पहाड़ी को अडानी को देने की केंद्र की योजना है। इसके साथ ही नगरनार स्टील प्लांट को प्राइवेट की देने की योजना है, जिसे दिल्ली में आवाज उठाकर रोका जाएगा।

कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा ने कहा मैं

नागारास का एक गरीब बेटा हूं। तेंदुपत्ता तोड़ा हूं, मुर्गा लड़ाई और बैलगाड़ी दौड़ाया हूं। इसलिए यहां के लोगों की मुसीबत समझता हूं। भाजपा के आने के बाद मुझ पर तीन एफआईआर की गई है लेकिन मैं बस्तर की जनता के लिए जान दे सकता हूं। बस्तर की लड़ाई दिल्ली में लड़ूंगा।

भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने जगदलपुर विधानसभा के कलचा में वोट डाला। मतदान के बाद उन्होंने कहा- बस्तर के लोगों में वोटिंग को लेकर भारी उत्साह है। पोलिंग बूथ पर वोटर्स की लंबी लंबी लाइन लगी है। महेश कश्यप ने कवासी लखमा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- कवासी लखमा अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। कुछ भी बोलते हैं। उनकी बयानबाजी से बस्तर की छवि धूमिल हो रही है।

भाजपा प्रत्याशी महेश कश्यप ने कहा बस्तर की जनता वोट कर कवासी लखमा को मजा सिखाएगी। उन्हें इतनी बुरी तरह हार मिलेगी कि कवासी लखमा को राजनीति छोड़ना पड़ेगा।

निर्दलीय प्रत्याशी प्रकाश कुमार गोटा ने फरसेगढ़ मतदान केंद्र क्रमांक 53-1 में वोट डाला। उन्होंने लोगों से वोटिंग की अपील की और जीत का दावा किया। बस्तर लोकसभा सीट पर दोपहर 1 बजे तक लगभग 43 प्रतिशत मतदान हुआ है।

कलेक्टर और खाद्य नियंत्रक को अवमानना नोटिस जारी करने का आदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद रायपुर कलेक्टर व खाद्य नियंत्रक द्वारा राशन दुकानदार के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं करने को लेकर उच्च न्यायालय ने न्यायिक अवमानना का नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। निर्धारित समय-सीमा में जवाब देने के बाद कलेक्टर और खाद्य नियंत्रक रायपुर के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने का उल्लेख उच्च न्यायालय ने किया है। इस संबंध में एक प्रिंट मीडिया से बातचीत में कलेक्टर गौरव सिंह व खाद्य नियंत्रक अरविंद दुबे ने कहा है कि फिलहाल हाईकोर्ट द्वारा न्यायिक अवमानना नोटिस दिए जाने की जानकारी नहीं उन्हें नहीं है।

उक्त मीडिया रिपोर्ट में अधिवक्ता जितेंद्रनाथ नंदे के हवाले से बताया गया है कि शिकायतकर्ता मधुसूदन मिश्रा द्वारा शासकीय उचित मूल्य दुकान के विरुद्ध जिला स्तर पर शिकायत किए जाने पर तत्कालीन कलेक्टर रायपुर के निर्देश पर जांच किए जाने पर गंभीर अनियमितता पाई गई थी। तत्कालीन कलेक्टर रायपुर ने जांच के बाद प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किए जाने के निर्देश दिए थे। इस जांच के बाद खाद्य संचालनालय स्तर पर जांच दल बनाकर

उच्च स्तरीय जांच करवाई गई, उसमें भी गंभीर अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही नहीं की जा रही थी। संचालनालय स्तर पर चार महीने तक कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर शिकायतकर्ता मधुसूदन मिश्रा ने उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर की, जिसमें शासकीय उचित मूल्य दुकानदार के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे।

रायपुर में पदस्थ प्रभारी खाद्य नियंत्रक द्वारा कार्यवाही नहीं किए जाने की शिकायत पर अनुविभागीय अधिकारी रायपुर सहित सहायक खाद्य अधिकारी और दो अन्य खाद्य निरीक्षकों का दल बनाकर उच्च न्यायालय के आदेश के संबंध में अभिमत लेने के लिए दल बनाया गया। इससे व्यथित होकर शिकायतकर्ता मधुसूदन मिश्रा द्वारा अधिवक्ता जितेंद्र नाथ नंदे के माध्यम से उच्च न्यायालय बिलासपुर में न्यायिक अवमानना की याचिका क्रमांक 434/2024 दायर की गई, जिसमें उच्च न्यायालय बिलासपुर ने अवमानना के मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने आदेश में कलेक्टर रायपुर गौरव सिंह और खाद्य नियंत्रक रायपुर अरविंद दुबे को न्यायिक अवमानना का नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। दोनों अधिकारियों द्वारा जवाब दिए जाने के बाद आगे की कार्यवाही होने का उल्लेख न्यायिक आदेश में है।

तमिलनाडु की राजनीति करवट ले रही

नीरज कुमार दुबे

तमिलनाडु में लोकसभा की 39 सीटें हैं। यहां सत्तारुढ़ द्रमुक ने कांग्रेस और वामदलों के साथ गठबंधन किया है तो विपक्षी अन्नाद्रमुक ने एआईएमआईएम के साथ गठजोड़ किया है तो दूसरी तरफ भाजपा ने कुछ क्षेत्रीय दलों को एनडीए में शामिल करवा कर चुनावी लड़ाई को त्रिकोणीय बनाने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह इस बार तमिलनाडु में सघन प्रचार किया है उससे प्रदर्शित होता है कि उन्हें इस बार तमिलनाडु से काफी अपेक्षाएं हैं। यह अपेक्षाएं कितनी पूरी होती हैं यह तो आने वाला समय ही बतायेगा लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि भाजपा पिछले लोकसभा चुनावों की तरह इस बार तमिलनाडु में खाली हाथ नहीं रहेगी। तमिलनाडु में इस समय देखने को मिल रहा है कि सभी राजनीतिक दलों ने सोशल इंजीनियरिंग पर खास ध्यान दिया है। राज्य में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के पास अपना-अपना परम्परागत वोट बैंक है। अब भाजपा की ओर से भी दावेदारी जताने से बाकी सबके समीकरण थोड़े-बहुत बिगड़ते दिख रहे हैं। राज्य में कन्याकुमारी और तिरुनेलवेली ऐसे क्षेत्र हैं जहां भाजपा और कांग्रेस का जनाधार स्थानीय दलों के मुकाबले अच्छा है। पिछले चुनावों में द्रमुक ने राज्य में बाकी सभी दलों का सूपड़ा साफ कर दिया था और इस बार भी वह पिछला प्रदर्शन दोहराने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी अन्नाद्रमुक भी द्रमुक को परास्त करने के लिए प्रयासरत है। इस बार अन्नाद्रमुक यह सुनिश्चित करने के लिए पसीना बहा रही है कि सभी जातियों के मतदाता पार्टी के साथ रहें और विद्रोही नेताओं- टीटीवी दिनाकरन और ओ पन्नीरसेल्वम की ओर ना जाएं। दूसरी ओर, मारवाड़ और पिल्लई जोकि अगड़ी जाति है, उनके अलावा, भाजपा सभी दलित समुदायों तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। वहीं द्रमुक को अपने गठबंधन की अंकगणितीय ताकत और तीन साल की सामाजिक कल्याण योजनाओं के अलावा, सभी समुदायों और अल्पसंख्यक वोट बैंक के समर्थन पर भरोसा है। हम आपको बता दें कि क्षेत्र के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में युवा तमिल राष्ट्रवादी संगठन नाम तमिझार काची का प्रभाव भी देखने को मिल रहा है जिसे 18-25 आयु वर्ग के वोटों का एक बड़ा हिस्सा मिलने की संभावना है। देखने में आ रहा है कि डिंडीगुल, मदुरै, विरुधुनगर और शिवगंगा में लड़ाई द्रमुक और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधनों के बीच है, जबकि रामनाथपुरम और थेनी में त्रिकोणीय मुकाबला है, जिसमें ओपीएस और टीटीवी खुद मैदान में उतरे हुए हैं। इसके अलावा थूथुकुडी, जहां कनिमोझी करुणानिधि उम्मीदवार हैं उसके अलावा तेनकासी (एससी) में तस्वीर सत्तारुढ़ द्रमुक के लिए अच्छी दिख रही है। वहीं तिरुनेलवेली में मुख्य लड़ाई रॉबर्ट ब्रूस (कांग्रेस) और नैनार नागेंद्रन (भाजपा) के बीच होती दिख रही है। जबकि कन्याकुमारी में चुनावी लड़ाई स्पष्ट रूप से धर्म पर विभाजित दिख रही है। हम आपको बता दें कि भाजपा तमिलनाडु में लंबे समय से हिंदू नादर और मरावारों का समर्थन हासिल करने की दिशा में काम कर रही है।

विकसित भारत बनाने संकल्प पत्र

मृत्युंजय दीक्षित

भारतीय जनता पार्टी ने 2024 लोकसभा चुनावों के लिए 78 पृष्ठों का संकल्प पत्र जारी कर दिया है। प्रथम दृष्टया यह संकल्प पत्र विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और सशक्त भारत की रूपरेखा है। संकल्प पत्र में भाजपा ने अपनी सरकार के पिछले दस वर्षों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों की चर्चा करने के साथ ही आगामी पांच वर्षों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोदी की 24 गारंटियों पर विहंगम दृष्टिकोण प्रस्तुत कर दिया है। संकल्प प्रस्तुत करते समय भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि, जो हम कहते हैं वह हम करते हैं। भाजपा का संकल्प पत्र गहन शोध तथा संकल्पों पर अमल करने के व्यापक चिंतन तथा जन सामान्य और कार्यकर्ताओं से प्राप्त 15 लाख सुझावों को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है।

2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार आने के बाद भाजपा अपने महत्वपूर्ण व ऐतिहासिक संकल्पों को एक के बाद एक पूरा कर रही है। अयोध्या में दिव्य भव्य एवं नव्य राम मंदिर का निर्माण और उसमें भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। अयोध्या विश्व के धार्मिक पर्यटन मानचित्र पर तीव्रता के साथ उभर रहा है और सनातन का वैश्विक उभार हो रहा है। यही नहीं विगत दस वर्षों में सनातन हिंदू आस्था के सभी केंद्रों का तीर्थाटन के दृष्टिकोण से विकास हो रहा है जिसे आगामी कार्यकाल में और तीव्र किये जाने पर बल दिया गया है। जनसंघ के समय से किया गया भाजपा का जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का वादा भी पूरा हो चुका है और वहां विकास की नयी गाथा लिखी जा रही है। महिलाओं के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हो चुका है। पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान में सताए गए अल्पसंख्यक शरणार्थियों हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी व ईसाईओं को नागरिकता प्रदान करके वाला सीएए भी लागू कर दिया है।

संकल्प पत्र में नीतिगत रूप से विरासत भी और विकास भी को ध्यान में रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जिन चार जातियों युवा, गरीब, किसान और नारी शक्ति की बात करते हैं यह संकल्प पत्र उन्हीं चार जातियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। संकल्प पत्र से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इन चार जातियों के लिए जो योजनाएं चलायी जा रही थीं उन सभी योजनाओं का विस्तार किया जाएगा। बुजुर्गों के प्रति भी यह संकल्प पत्र संवेदनशील है । भाजपा के संकल्प पत्र- 2024 में सभी के लिए अवसरों की मात्रा और गुणवत्ता बढ़ाने पर बल दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी अपने चुनावी भाषणों में कह रहे हैं कि, विगत दस वर्षों में हमने जो कार्य किये हैं वह तो मात्र एक ट्रेलर है पूरी पिक्चर तो अभी बाकी है संकल्प पत्र इसकी बानगी है।

भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में भगवान राम के भव्य दिव्य मंदिर का उल्लेख करने के साथ ही विश्व भर में रामायण उत्सव मनाने तथा भगवान राम की मूर्त और अमूर्त विरासत को बढ़ावा देने वाले विश्व के सभी देशों को सहयोग देने का संकल्प किया है। विश्व भर के लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन अयोध्या आ रहे हैं। अत: भाजपा सत्ता में वापस आने पर अयोध्या के वृहद विकास के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा ने भारतीय पांडुलिपियों व पुरालेखों का डिजिटलीकरण मिशन मोड मे जारी रखने का भी संकल्प लिया है। संकल्प पत्र में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधापूर्ण तीर्थयात्रा का वादा कर समझाने का प्रयास किया गया है कि आस्था का सम्मान किया जाएगा। स्वाभाविक है कि तीर्थस्थलों के विस्तार की बात हो या नागरिकों को तीर्थ सम्बन्धी सुविधा मिलने अथवा तीर्थस्थलों पर रोजगार के नये अवसर मिलने इसका लाभ जन सामान्य को ही होगा।

भाजपा के संकल्प पत्र- 2024 में जिन बातों की गारंटी ली गई है उसमें अगले पांच वर्षों में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण प्रमुख हैं। पांच वर्षों तक सभी राशन कार्ड धारकों को निःशुल्क राशन तथा पानी के साथ ही अब पाइप लाइन के सहारे बेहद सस्ती व गुणवत्ता से युक्त रसोई गैस देने का भी संकल्प लिया गया है। संकल्प पत्र मे गारंटी दी गई है कि मध्यम वर्ग परिवारों के लिए पक्के घर दिए जाएंगे व पीएम आवास योजना का विस्तार किया जाएगा जिसमें दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जाएगी।

संकल्प पत्र में युवाओं के लिए नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने की बात कही गयी है। 2014 से जब से प्रधनमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आयी है तभी से खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई गयी हैं जिनका व्यापक प्रभाव राष्ट्रमंडल खेलों से लेकर एशियाई खेलों, ओलम्पिक तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा मंचों पर दिखाई दिया है, इस दिशा में आगे बढ़ते हुए संकल्प पत्र में कहा गया है कि अब हम 2036 में ओलम्पिक खेलों की मेजबानी करने की तैयारी कर रहे हैं। युवाओं के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, मैन्युफैक्चरिंग, हाई वैल्यू सर्विसेज, स्टार्टअप, पर्यटन और खेलों के माध्यम से रोजगार के लाखों अवसर बढ़ाने पर बल दिया गया है।

तीव्र गति की इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए के लिए 5 जी और 6 जी तकनीक पर लगातार काम किया जा रहा है। सरकारी योजनाओं के व्यापक पैमाने पर डिजिटलीकरण पर बल दिया गया हैं। नारी सशक्तिकरण के अंतर्गत भी केंद्र सरकार ने विभिन्न कार्य किए हैं जिसके कारण नारी शक्ति कई क्षेत्रो में देश और समाज का नेतृत्व कर रही है।भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में नारी तू नारायणी के अंतर्गत 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। यह लखपति दीदी कृषि क्षेत्र के लिए विशेष उपयोगी साबित होंगी। भाजपा नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तय सीमा के अंतर्गत लागू करने के लिए संकल्पबद्ध है। वहीं महिलाओं के सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और ऑस्टियोपोरोसिस पर विशेष ध्यान देने की बात है।

समान नागरिक संहिता- भारतीय जनता पार्टी ने संकल्प पत्र में देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने तथा एक देश एक चुनाव पर आगे बढ़ने के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए मोदी सरकार कुछ कदम उठा भी चुकी हैं जिसके अंतर्गत चार केंद्रीय मंत्रियों की एक टीम का गठन किया गया है जो विधि आयोग के साथ विचार विमर्श भी कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई अवसरों समान नागरिक संहिता पर अपने विचार स्पष्ट कर चुके हैं।मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता की बहस और लागू करने के संकल्प का लाभ भाजपा को विधानसभा चुनावों में मिल चुका है।अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का संकल्प लिया गया है।

एक देश एक चुनाव व्यवस्थाङ्क संकल्प पत्र में एक देश एक चुनाव की व्यवस्था पर आगे बढ़ने की बात कही गई है। इस विषय पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित कमेटी की रिपोर्ट राष्ट्रपति के समक्ष पहुंच गई है। एक देश, एक चुनाव की व्यवस्था लागू करने के लिए ही अबकी बार 400 पार का नारा जोरदार ढंग से दिया जा रहा है।

भाजपा के संकल्प पत्र पर पार्टी का कहना है कि यह संकल्प पत्र विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाला है। भाजपा का संकल्प पत्र राजनैतिक शुचिता को स्थापित करने वाला है। भाजपा का संकल्प पत्र पंथ, जाति, क्षेत्र किसी भी आधार पर किसी का भी तुष्टिकरण नहीं कर रहा है अपितु यह जन जन को संतुष्टि प्रदान करने वाला है।

यह संकल्प पत्र गरीबों की सेवा करने की गारंटी वाला संकल्प पत्र है। विगत दस वर्षों में गरीब कल्याण के लिए, बुजुर्गों के कल्याण के लिए, दिव्यांगजन के कल्याण के लिए, श्रमिक कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये गये जिनका अब विस्तार किया जाएगा। संकल्प पत्र की सबसे बड़ी गारंटी यह है कि 2024 में तीसरी बार वापस आने के बाद भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी।

संकल्प पत्र में भाजपा ने पीएम सूर्य घर योजना को विस्तार देकर बिजली का बिल शून्य करने की बात कही है और राशन तथा स्वास्थ्य को छोड़कर कहीं भी मुफ्त की रेवड़ी की बात नहीं की है । भाजपा ने संकल्प पत्र में योग और आयुर्वेद का दुनियाभर में व्यापक विस्तार करने के साथ ही भारत से चोरी चली गई भारतीय कलाकृतियां को वापस लाने सहित सभी भारतीय भाषाओं के अध्ययन की व्यवस्था करने का संकल्प लिया गया है। विगत दस वर्षों में भारत सरकार कई मूर्तियों व कलाकृतियां का वापस लाने में सफल भी हो चुकी है। तिरुवल्लुवर केन्द्रों की बात करके भाजपा ने उत्तर दक्षिण विवाद को समाप्त करने का प्रयास किया है।

कुल मिलाकर यह संकल्प पत्र जन जन की आकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला, भारत को विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बनाने का रोड मैप देने वाला, भारत की सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ने वाला और राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-61)

गतांक से आगे...

मैं विषय वासनाओं से मुक्त होकर पूर्णरूपेण ज्योतिरूप होकर समस्त संवेदना से पूरी तरह से मुक्त होकर चित्रस्वरूप और महान् संवित् (ज्ञानमय) हूँ। हे मुने! सभी संकल्पों को पूर्णरूपेण शान्त करके, सभी कामनाओं को त्यागकर निर्विकल्प पद में प्रविष्ट होकर आत्मा में प्रतिष्ठित हो जाओ।

जो श्रेष्ठ ब्राह्मण इस महोपनिषद् का प्रतिदिन पाठ करता है, वह यदि अश्रोत्रिय होता है, तो श्रोत्रिय हो जाता है। यदि वह उपनीत नहीं है, तो उपनीत (सदृश) हो जाता है। वह अग्नि के समान पवित्र होता है, वायु की भाँति परिष्कृत तथा वह सोमपूत और सत्यपूत हो जाता है। वह सर्वथा पूर्णशुद्ध हो जाता है। वह समस्त देवों में सुपरिचित हो जाता है। उसे सभी तीर्थ स्थलों के स्त्रान का फल प्राप्त हो जाता है। वह सभी यज्ञों का अनुष्ठान संकल्प कर लेने में समर्थ हो जाता है। सहस्त्रों गायत्री महामन्त्र के जप

का फल उसे इस उपनिषद् के अध्ययन से मिल जाता है। सहस्त्रों इतिहास-पुराण एवं रुद्र पाठ का फल उसे प्राप्त हो जाता है। दस सहस्त्र प्रणव (ओंकार) के जप का फल उसे प्राप्त हो जाता है। जहाँ तक उसकी दृष्टि जाती है, वहाँ तक उस पंक्ति को वह पवित्र कर देता है। भगवान् हिरण्यगर्भ ब्रह्माजी ने कहा है कि इस (उपनिषद्) का जप करने मात्र से अमृतत्व की प्राप्ति हो जाती है। यही इस उपनिषद् का रहस्य है।

चीनी भाषा दिवस

यूएन चीनी भाषा दिवस हर साल 20 अप्रैल को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। इस दिन को कैन्जी को श्रद्धांजलि देने के लिए चुना गया है, जो एक पौराणिक आकृति है, जिसे लगभग 5,000 साल पहले चीनी पात्रों का आविष्कार करने के लिए माना जाता है। पहला चीनी भाषा दिवस 2010 में 12 नवंबर को मनाया गया था, लेकिन 2011 के बाद से यह तारीख 20 अप्रैल को मनाया जाने लगा। यह दिन बहुभाषावाद और सांस्कृतिक विविधता के साथ-साथ पूरे संगठन में इसकी छह आधिकारिक कामकाजी भाषाओं के समान उपयोग को बढ़ावा देता है।

चीनी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषाओं में से एक के रूप में 1946 में मान्यता मिली थी। हालांकि, शुरुआती वर्षों में, संगठन के काम में इसका विस्तार नहीं हुआ था। यह स्थिति 1971 में चीन के

गणराज्य को संयुक्त राष्ट्र में अपना विधिक अधिकार पुन: प्राप्त होने के बाद सुधार हुआ। 1973 में, सामान्य सभा ने चीनी को एक कार्य भाषा के रूप में निर्दिष्ट किया, जिसे बाद में 1974 में सुरक्षा परिषद ने भी अनुसरण किया। तब से, एक बढ़ती संख्या के संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय और कर्मचारी चीनी भाषा के साथ काम कर रहे हैं।

हर साल 20 अप्रैल को चीनी भाषा दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मुख्यालय चीनी भाषा और चीनी संस्कृति के आकर्षण को उजागर करने के लिए गतिविधियों का आयोजन करते हैं।

पांच दिवसीय संयुक्त राष्ट्र चीनी भाषा दिवस कार्यक्रम-2024 फ्रांस के पेरिस के यूनेस्को मुख्यालय में शुरू हुआ। इस कार्यक्रम का विषय है चीनी सभ्यताओं के बीच पारस्परिक सीख के लिए एक पुल का निर्माण। कार्यक्रम शुरू होने के दिन यूनेस्को देशों के कुछ स्थायी प्रतिनिधियों, यूनेस्को के अधिकारियों और उनके बच्चों के साथ-साथ कुछ चीनी संस्कृति से प्यार करने वाले और चीनी सीख रहे फ्रांसीसी छात्रों को भी आमंत्रित किया गया।

कार्यक्रम के आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष तीसरी बार संयुक्त राष्ट्र चीनी भाषा दिवस यूनेस्को मुख्यालय में मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विशिष्ट चीनी तत्वों के साथ चीनी और फ्रांसीसी बच्चों की चित्र पुस्तकें प्रदर्शित की गईं, जिनमें चीनी पौराणिक कथाओं, लोककथाओं, लोक कहानियों और समकालीन कलाकारों द्वारा बनाए गए बच्चों के साहित्य शामिल हैं।

इसके अलावा, चीनी ज्ञानोदय, सुलेख से परिचय, पारंपरिक कागज-काटने और कुंग फू अनुभव के लिए कार्यशालाएं भी हैं। यूनेस्को के उप महानिदेशक छ्यू शिंग ने कार्यक्रम में कहा कि भाषा संस्कृति की वाहक है। यूनेस्को भाषा और संस्कृति के बहुलवाद और विविधता की वकालत करता है। वर्तमान में अधिक से अधिक युवा फ्रांस में चीनी भाषा सीख रहे हैं, जो चीन के तीव्र विकास से अविभाज्य है। कई फ्रांसीसी माता-पिता ने विकास के उन अवसरों को देखा है जो चीनी बाजार भविष्य में उनके बच्चों को प्रदान कर सकता है।

क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

कमलेश पांडे

उत्तरप्रदेश में पहले चरण के मतदान से दो दिन पहले यानी गत बुद्धवार को दिल्ली से सटे गाजियाबाद महानगर के कौशांबी स्थित फाइव स्टार होटल रेडिसन ब्लू सभागार में, गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के समर्थन में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया, उसके सियासी मायने स्पष्ट हैं। यहां के शानदार मंच से दोनों नेताओं ने भाजपा की मोदी सरकार के प्रति जो तल्खी दिखाई, उससे यह सवाल उभरकर सामने आया कि आखिर यूपी में क्या सियासी गुल खिलाएगी राहुल-अखिलेश की जोड़ी?

आपको पता होना चाहिए कि यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन होने के बाद पहली बार दोनों नेता एक साथ, एक मंच पर दिखाई दिए और पत्रकारों के लाख कुरेदने के बावजूद भी संतुलित और सधे हुए अंदाज में जो बातें कहीं, उसके राजनीतिक मायने स्पष्ट हैं।

पहला यही कि कांग्रेस-सपा की यह युगलबंदी लंबी चलेगी। क्योंकि पीएम पैदा करने वाले इस प्रदेश से यदि भाजपा और एनडीए गठबंधन को खदेड़ना है, तो पीएम के हवा-हवाई मुद्दों की बजाए राहुल गांधी-अखिलेश यादव के जमीनी मुद्दों यानी कांग्रेस की गारंटी (जिसमें इंडिया गठबंधन के मुद्दों को समाविष्ट किया गया है) की बात पर जोर देना होगा। कांग्रेस की गारंटी का मतलब समाज के समस्त दबे-कुचले लोगों के परवरिश और उत्थान की बात, जैसा कि उसमें समाविष्ट किया हुआ है। साफ शब्दों में कहें तो किसान-मजदूर-कारीगर, युवा, महिलाएं, कुटीर-लघु कारोबारी आदि के हित।

दूसरा, रामनवमी के दिन ही इंडिया गठबंधन के पहले संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन होने और इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा नेता अखिलेश यादव द्वारा देशवासियों और पत्रकारों को रामनवमी की बधाई देने का स्पष्ट मकसद है कि इंडिया गठबंधन सनातन मर्यादाओं की उपेक्षा अब नहीं करेगा। क्योंकि 2014 और 2019 का नजीर

उसके सामने है। लिहाजा, 2024 में पुरानी गलतियों से सबक लेने की कोशिश की गई है। शुरुआत भी अच्छी है।

तीसरा, इस प्रेस वार्ता में राहुल गांधी का यह कहना कि ये चुनाव विचारधारा का चुनाव है, काफी अहम है। उनके शब्दों में, एक तरफ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस अपने पुराने मुद्दे पर अडिग है और सावधानी पूर्वक नए मुद्दों से खुद को जोड़ रही है, जो अच्छी बात है।

चतुर्थ, बकौल राहुल गांधी, इस चुनाव में 2-3 बड़े मुद्दे हैं। वह है महंगाई, बेरोजगारी और भागीदारी। लेकिन इसके बारे में ना तो प्रधानमंत्री बात कर रहे हैं और ना ही बीजेपी बात कर रही है। यही वजह है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला बोलते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री कभी मुद्दों पर बात नहीं करते। मुद्दों पर बात करने की बजाय कभी वह समुद्र की गहराईयों में चले जाते हैं, तो कभी वह आसमान में सी प्लेन पर चले जाते हैं। संभवतया जनता भी इस बात को समझने लगी है, जिससे यूपी में राहुल-अखिलेश का ग्राफ ऊंचा उठने के संकेत मिलने लगे हैं।

पांचवां, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम ने एक साक्षात्कार में इलेक्टोरल बॉन्ड को सही बताया और चुनाव में पारदर्शिता लाने के लिए इसे जरूरी बताया। यदि यह सच है तो इस सिस्टम को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द क्यों किया? उन्होंने यह भी कहा कि जिन लोगों ने भाजपा को चुनाव के नाम पर करोड़ों की रकम दी, भाजपा उनका नाम क्यों नहीं उजागर कर रही है। उन्होंने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए यहां तक कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड अपने आपमें दुनिया का सबसे बड़ा संगठित घोटाला है। इसमें सरकारी एजेंसी और बीजेपी नेतृत्व की दोनों भूमिका संदेहास्पद है। इस प्रकार इलेक्टोरल बांड सबसे बड़ा एक्सटॉर्शन है। पीएम मोदी भ्रष्टाचार के चैंपियन हैं। विपक्ष के नेता का ऐसा तेवर तभी दिखता है, जब सत्तारूढ़ सरकार का अवसान सुनिश्चित होने का फीडबैक कार्यकर्ता देते हैं।

छठा, राहुल गांधी से पहले संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत करते हुए अखिलेश यादव का यह कहना कि मुझे खुशी है आज हम मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं, बेहद अहम है। उन्होंने तो साफ कहा कि यूपी में गाजियाबाद से लेकर गाजीपुर तक भाजपा का सफाया होने जा रहा है। भाजपा की हर बात झूठी निकली। न किसान की आय दोगुनी हुई, न युवाओं को रोजगार मिला, विकास के वादे भी अधूरे हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड ने इनकी पोल खोल दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बन गई है। लूट और झूठ भाजपा की पहचान बन गई है। इसलिए मोदी-योगी सरकार से मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। कार्यकर्ताओं को तालमेल बिठाकर चलना होगा।

सप्तम, अखिलेश यादव का यह कहना कि गाजियाबाद यानी पश्चिम उत्तरप्रदेश से चल रही हवा पूर्वी यूपी में गाजीपुर तक जाएगी और पूरे देश में बदलाव लाएगी। हमारा इंडिया गठबंधन गाजियाबाद से गाजीपुर तक क्लीन स्वीप करेगा। हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, काफी अहम है। उनका यह कहना कि इस बार पश्चिम से बदलाव की हवा चली है। जनता भाजपा के झूठ और वादा खिलाफी से तंग आ चुकी है। इलेक्टोरल बॉन्ड ने भाजपा की बैंड बजा दी है। भाजपा भ्रष्टाचारियों का गोदाम बनकर रह गई है। उनकी इन बातों से साफ संकेत मिलता है कि उनके द्वारा शुरू किया हुआ पीडीए अभियान अपनी जमीनी पकड़ बना चुका है, जिसका आत्मविश्वास उनके शब्दों से झलक रहा है। कांग्रेस को भी इसका फायदा मिलेगा।

अष्टम, आगामी चुनाव में सीटों की संख्या को लेकर पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए राहुल गांधी का यह कहना कि पहले उन्हें लगता था कि बीजेपी 180 सीट जीत जाएगी, लेकिन अब उन्हें लग रहा है कि बीजेपी 150 सीटों पर सिमट जाएगी। इससे साफ जाहिर है कि मीडिया रिपोर्ट के उलट भी उनका जमीनी तंत्र सक्रिय है और उन्हें लगातार फीडबैक मिल रहे हैं। तभी तो उन्होंने कहा कि हर राज्य से रिपोर्ट मिल रही है कि हम अच्छा कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हमारा गठबंधन बहुत मजबूत है और हम अच्छा करेंगे।

नवम, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ कहा है कि गठबंधन तीन प्रमुख मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। इसमें पहला बेरोजगारी, दूसरा महंगाई और तीसरा भागीदारी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हर बार परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है जिससे लाखों युवा आहत होते हैं। इसलिए, जब गठबंधन की सरकार आएगी तो वह युवाओं को रोजगार देगी। वहीं, प्रत्येक परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपये देगी। वहीं, जातीय जनगणना कराकर पिछड़े लोगों को आगे ले जाने का काम करेगी।

दशम, इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा के पक्ष में वोट करने की अपील के लिए आहूत इस संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बागपत से सपा प्रत्याशी अमरपाल शर्मा के अलावा अन्य दो गठबंधन प्रत्याशियों को साथ खड़ा करके पत्रकारों को सामूहिक फोटो दिए। इस दौरान उन्होंने अपने गठबंधन के सभी प्रत्याशियों के लिए मतदान करने की अपील की। वहीं, मंच पर राष्ट्रीय महासचिव व उत्तरप्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, उत्तरप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय, एआईसीसी के संचार प्रमुख जयराम रमेश, सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत, पूर्व सपा मंत्री शाहिद मंजूर व अन्य राजनेतागण की उपस्थिति से साफ संकेत मिलता है कि रणनीतिक स्तर पर पार्टी और गठबंधन कोई चूक करना नहीं चाहते हैं। वहीं, डॉली शर्मा द्वारा आयोजित किये गए इस शानदार व बेमिसाल प्रेस कॉन्फ्रेंस ने अन्य प्रत्याशियों में भी होड़ पैदा करने का कार्य कर चुकी है, जो सबके बस की बात नहीं है।

आज का इतिहास

1836 विस्कॉन्सिन क्षेत्र बनायीं थी, पहली राजधानी बेल्मॉन्ट बनी।
1845 रोमोन कैस्टिला पेरू के राष्ट्रपति बनाये गए।
1878 ऑस्ट्रेलिया में पहली बार स्टॉवेल गिफ्ट चलाया शुरू किया गया।
1889 जर्मन तानाशाह एडोल्फ हिटलर का जन्म।
1914 कोलोराडो के नेशनल गार्ड और कोलोराडो में हड़ताली कोयला खनिकों के बीच एक आग और बंदूक की लड़ाई के कारण लुडलो नरसंहार में 17 लोगों की मौत हो गई।
1920 अलबामा और मिसीसीपी में तूफान से 219 लोगों की मौत।
1921 फेरेंक मोलनर का नाटक लिलीओम पहली बार ब्रॉडवे शहर में अंग्रेजी में बनाया गया।
1939 बिली हॉलिडे ने स्ट्रेंज फ्रूट के अपने संस्करण को रिकॉर्ड किया, जिसे नागरिक अधिकार आंदोलन के प्रतीक के रूप में प्रसिद्धि मिली।
1939 एडॉल्फ हिटलर का 50 वां जन्मदिन नाजी जर्मनी में एक राष्ट्रभक्त के रूप में मनाया गया।
1939 जर्मनी में तानाशाह एडोल्फ हिटलर के 50वें जन्मदिन को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया।
1968 ब्रिटिश संसद के सदस्य हनोक पॉवेल ने आव्रजन और भेदभाव-विरोधी कानून के विरोध में अपने कॉन्ट्रोवर्शियल रिवर ऑफ ब्लड भाषण दिया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें शादो मंत्रिमंडल से हटा दिया गया।
1968 पियरे ट्रूडो ने लेसन बी पियर्सन को कैनाडा का प्रधान मंत्री बनाया।
1969 रॉयल अल्स्टर कॉस्टैबुलरी को मजबूत करने के लिए ब्रिटिश सैनिक उत्तरी आयरलैंड में पहुंचे।
1972 अपोलो-16 अभियान छह घंटों तक संकट से जूझने के बाद चंद्रमा पर उतर गया, जॉन यंग और चार्ल्स ड्यूक की टीम चंद्रमा पर उतरने वाली इतिहास की पांचवीं टीम बनी।
1973 कनाडा का एएमआईके ए-2 पहला व्यावसायिक उपग्रह बना।
1978 सोवियत लड़ाकू विमानों ने सोवियत एयरस्पेस को उड़ाने के बाद कोरियाई एयर लाइंस फ्लाइट 902 को मार गिराया।
1986 सेंट जेम्स थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में जेरी की लड़कियां 139 प्रदर्शन के बाद बंद हो गईं।
1990 8 2/3 ओक्सलैंड ए के ब्रायन होल्मन द्वारा शुरू किया गया अचूक खेल केन फिलिप्स द्वारा होम रन हिट द्वारा खराब हो गया है।
1997 शावक ने न्यूयॉर्क मेट्स को एनएल सबसे खराब ओपनिंग के साथ हराया, 14 सीधे गेम हारे।
1998 लाल सेना गुट के रूप में जाना जाने वाला हिंसक जर्मन क्रांतिकारी समूह ने घोषणा की कि वह भंग हो गया था।

ईरान-इस्राइल टकराव से कई मुल्कों पर असर लाजिमी

मरिआना बाबर

पिछले रविवार को जैसे ही पाकिस्तान के लोग जगे, उन्हें यही खबर मिली कि ईरान ने इस्राइल पर हवाई हमला कर दिया है और सैन्य अभियान अब भी जारी है। मेरी तत्काल प्रतिक्रिया थी कि इस्राइल भी पलटवार करेगा और इस क्षेत्र में एक नया युद्ध शुरू होने जा रहा है। ईरान और इस्राइल के बीच स्थित कई अरब देश भी इससे प्रभावित होंगे। हालांकि पिछले रविवार पाकिस्तान की सड़कों पर जीवन सामान्य था और आम लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि ईरान ने युद्ध की घोषणा कर दी है। जो लोग टीवी देख रहे थे, केवल वही इस खबर में दिलचस्पी ले रहे थे, अन्यथा किसी को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यहां तक कि पाकिस्तान की हुकूमत भी चुप थी। हालांकि पाकिस्तान में एक्स (ट्विटर) पर प्रतिबंध है, अधिकांश लोग इसे एक्सेस करने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकार की तरफ से भी इस पर कोई बयान नहीं आया, विदेश मंत्री का भी नहीं।

मैंने ट्वीट करके प्रधानमंत्री को आपातकालीन सुरक्षा बैठक बुलाने के लिए कहा, क्योंकि स्थिति बहुत अप्रत्याशित थी और यह युद्ध किसी भी दिशा में जा सकता था। हालांकि दुनिया की कई सरकारें एक-दूसरे तथा ईरान और इस्राइल के संपर्क में थीं, लेकिन पाकिस्तान के मंत्री एवं अधिकारी बिल्कुल शांत थे। अन्य मुल्कों की तरह पाकिस्तान में तेल बहुत महंगा है और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की पहुंच से बाहर है। इसलिए मेरा पहला विचार यही था कि अगर पड़ोस में युद्ध होता है, तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगेंगी।

पड़ोस में युद्ध पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। हममें से कई लोग भारत के साथ युद्ध से गुजर चुके हैं और अफगानिस्तान भी कभी शांत नहीं रहा है। इसलिए अब दूसरे पड़ोसी ईरान को युद्ध में शामिल होते और इसके प्रभाव को पसरते देखना डरावना था। लंबी और साझी सीमा के साथ ईरान पाकिस्तान का निकट पड़ोसी है। कभी-कभी दोनों तरफ के आतंकवादी हमले करते हैं और पाकिस्तान-ईरान सीमा पर तस्करों के साथ झड़पें होती हैं, लेकिन आम तौर पर स्थानीय प्रशासन इससे निपटता है। सीमा पर विशेष रूप से पेट्रोल की तस्करी आम बात है और ऊपर से लेकर नीचे तक के अधिकारियों की इसमें मिलीभगत होती है और यह लगातार उनकी नाक के नीचे होता है। व्यवसायी अक्सर शिकायत करते हैं कि ईरान से होने वाली तस्करी उनके व्यवसाय को नुकसान पहुंचा रही है, लेकिन सरकार उस पर कोई ध्यान नहीं देती।

एक बार सरकार ने घोषणा की कि वह तस्करी को बर्दाश्त नहीं करेगी और उससे कठोरता से निपटेगी। इससे थोड़े समय के लिए तस्करी पर विराम लगा, लेकिन क्वेटा के दुकानदारों ने ईरानी दरी की कीमत बढ़ा दी। उनकी शिकायत थी कि इन दरियों की भारी मांग है, लेकिन सीमा पार से दरियां नहीं आती हैं, इसलिए कीमत बढ़ गई है। लेकिन तस्करी सौ फीसदी कभी नहीं रुकी और अब भी जारी है।

कुछ समय पहले ईरान ने बलूचिस्तान के भीतर

हवाई हमले करके दुनिया को चौंका दिया था। उसका आरोप था कि ईरान-विरोधी आतंकवादी गुट वहां रहते हैं। उसके बाद पाकिस्तान ने भी ईरान के इलाकों पर बमबारी की और दावा किया कि ईरान के भीतर पाकिस्तान-विरोधी आतंकी गुटों को सुरक्षित पनाह मिली हुई है। सवाल उठता है कि अगर पाकिस्तान और ईरान, दोनों जानते हैं कि उनकी जमीन पर आतंकवादी गुट हैं, तो उन्हें दोनों मुल्कों द्वारा संरक्षण क्यों दिया जाता है। क्या दोनों मुल्क उन्हें प्रॉक्सी के तौर पर इस्तेमाल करते हैं? इससे दोनों मुल्कों के नागरिकों को बेहद खतरनाक और भ्रामक संदेश जाता है, जो एक-दूसरे को अपना मजबूत सहयोगी और मुस्लिम भाईचारे के हिस्से के रूप में देखते हैं और कई अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर एक साथ खड़े हैं। खैर, दोनों पक्षों के पीछे हटने से समझदारी कायम हुई। ईरान ने कूटनीतिक रिश्ते की बहाली के लिए अपने विदेश मंत्री को पाकिस्तान भेजा। अब दोनों मुल्कों के रिश्ते बेहतर हैं और इसी महीने के अंत में ईरानी राष्ट्रपति पाकिस्तान के दौरे पर आने वाले हैं।

इस्राइल पर ईरान के हमले ने, जिसमें अमेरिका, अन्य पश्चिमी देश एवं जॉर्डन इस्राइल की सहयता के लिए आगे आए, मुझे दो बातें याद दिला दीं।

पहली, दुनिया भर के मुल्कों को आशंका थी कि ईरान सीरिया में अपने राजनयिक मिशन पर हमले और वरिष्ठ अधिकारियों की मौत का बदला लेगा, लेकिन शक्तिशाली वायु सेना का दावा करने वाला इस्राइल हमले से हैरान रह गया। अमेरिका के नेतृत्व में बाहरी शक्तियां उसकी मदद के लिए आगे आईं। पश्चिमी समर्थकों की मदद के बिना इस्राइल अपनी रक्षा करने में असमर्थ था और वहां जान-माल का भारी नुकसान होता। दिलचस्प है कि जब इस्राइल ने कूटनीतिक नियमों का उल्लंघन कर सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों ने उसकी आलोचना नहीं की, लेकिन जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई की, तो वे सभी ईरान की आलोचना करने लगे।

दूसरी बात को इस हफ्ते पाकिस्तान दौरे पर आए सऊदी विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान और पाकिस्तानी विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अच्छी तरह से समझाया। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी बातें हैं, जिन पर बात करने में सबको शर्म आती है। दोनों विदेश मंत्रियों ने कहा कि जबसे इस्राइल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुआ है, इस्राइल ने 30 हजार से ज्यादा फलस्तीनियों की गाजा में हत्या कर दी है। उन्होंने पूछा कि जब इस्राइल ने गाजा में अस्पतालों, स्कूलों, खेल के मैदानों, आवासीय घरों पर बम गिराया, तो इस्राइल समर्थक पश्चिमी लॉबी ने उन्हीं तकनीकों से इस्राइल को रोकने की कोशिश क्यों नहीं की, जिन तकनीकों से उन्होंने ईरानी हमले से इस्राइल को बचाया है? आप कल्पना कर सकते हैं कि ऐसा करने पर कितने सारे बच्चे बच जाते!

सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने इस्राइल को तत्काल ईरान पर बमबारी करने से रोका और उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि इस्राइल ईरान पर हमला करता है, तो अमेरिका समर्थन नहीं करेगा। लेकिन क्या इस्राइल ईरान पर हमला करने से बाज आएगा? सऊदी विदेश मंत्री ने कहा, %हम एक अस्थिर क्षेत्र में रहते हैं। यह क्षेत्र गाजा की मानवीय आपदा का दंश झेल रहा है और हमें और संघर्ष की आवश्यकता नहीं है, हम और टकराव नहीं चाहते।

प्रचार की आंधी में मतदाताओं को लेना होगा अपने विवेक से निर्णय

विश्वनाथ सचदेव

चुनाव-प्रचार में मतदाता तक पहुंचने, उसे लुभाने का हर संभव प्रयास हो रहा है। चुनाव में ऐसा ही होता है. कभी न पूरे होने वाले वादे और सच्चाई से कोसों दूर के दावे इस प्रचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कोई भी दल प्रचार की इस मुहिम में पीछे नहीं रहना चाहता. सच तो यह है कि एक होड़-सी मची हुई है राजनीतिक दलों में। हर दल अपनी कमीज को दूसरे की कमीज से उजली बता रहा है। ऐसा नहीं है कि मतदाता राजनेताओं के इस दांव को समझ नहीं रहा. बरसों-बरस का अनुभव है उसके पास इस प्रचार-तंत्र की करतूतों का। राजनीतिक दल भी मतदाता की इस जानकारी से अनभिज्ञ नहीं हैं। इसके बावजूद वे बरगलाने की अपनी कोशिशों से बाज नहीं आते। इसका कारण शायद यही है कि मतदाताओं की एक बड़ी संख्या आखिरी समय पर निर्णय लेती है। वे मुंडेर पर बैठे हैं. आखिरी समय पर बाएं भी उतर सकते हैं, दाएं भी। प्रचार-कार्य में लगे राजनेताओं की नजर मुख्यत: इन्हीं मतदाताओं पर होती है। इसी से जुड़ी एक बात यह भी है कि कभी-कभी मतदाता मिथ्या दावों और झूठे वादों की चपेट में आ भी जाता है। जनतंत्र की सफलता और सार्थकता का एक मापदंड यह भी है कि कितने मतदाता ऐसे हैं जो प्रचार की इस आंधी में स्वयं को उड़ने से बचाए रख पाते हैं। चुनाव के समय राजनीतिक दल अपने-अपने घोषणापत्र जारी करते हैं। भाजपा और कांग्रेस, दोनों बड़े दलों के वादों-दावों वाले घोषणापत्र जारी किए जा चुके हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र को 'न्याय-पत्र' कहा है और भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को 'संकल्प-पत्र' कहते हुए 'मोदी की गारंटियों' की बात कही है। होना तो यह चाहिए कि इस तरह के घोषणा पत्र आखिरी समय में नहीं, चुनाव से काफी पहले जारी हों, ताकि मतदाता उन पर विचार करके राजनेताओं से हिसाब मांग सकें। सत्तारूढ़ दल से पूछ सकें कि पिछले घोषणापत्रों की कितनी बातों को पूरा किया गया और सत्ता के आकांक्षी दल से उसके वादों के पूरा होने के आधार के बारे में जवाब तलब कर सकें। पर, दुर्भाग्य से ऐसा कुछ होता नहीं। घोषणापत्र जारी जरूर होते हैं, पर उपेक्षित पड़े रहते हैं. चुनाव-प्रचार का सारा जोर अपने विरोधी पर आरोप लगाने पर ही होता है। आरोपों के इस शोर में वे बुनियादी बातें कहीं खो-सी जाती हैं, जो मतदाता के निर्णय का आधार होनी चाहिए। अपने हालिया इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने शब्दों के सम्मान की बात कही है। सही कहा है उन्होंने। शब्द पवित्र होते हैं, हमारी नीयत को उजागर करते हैं. राजनेता यदि शब्दों का अपमान करते हैं तो उन्हें कठघरे में खड़ा करना होगा। तभी जनतंत्र की सार्थकता प्रमाणित होगी।

नकली बारिश के कैसे डूब गई दुबई, क्या है क्लाउड सीडिंग?

अभिनय आकाश

चकाचौंध, पैसा, शानो-शौकत वाली जिंदगी, महंगी-महंगी गाड़ियां और ऊंची-ऊंची इमारतें। दुबई का जिक्र होते ही दिमाग में बस कुछ ऐसी ही तस्वीर उभरती है। दुबई में ही दुनिया के सबसे अमीर लोग रहते हैं। लेकिन हमेशा चमकने वाले दुबई को महज कुछ घंटे की बारिश ने धो डाला। आधुनिकता की दौड़ में सरपट दौड़ रहा दुबई पानी-पानी हो गया। जो दुबई बारिश के लिए तरसता है उस दुबई में आसमान से इतना पानी बरसा की शहर समुंदर बन गया और बाढ़ जैसे हालात हो गए। बरसात की वजह से एयरपोर्ट से लेकर मेट्रो सेवा बुरी तरह प्रभावित हुई। इस बीच यूएई के मौसम विभाग ने बारिश की एक और तेज लहर की आशंका जताई है। इसके साथ ही लोगों से सावधान रहने को कहा है। वहीं विशेषज्ञों के मुताबिक दुबई और संयुक्त अरब अमीरात में भारी मात्रा में बारिश क्राउड सीडिंग के कारण हुई।

अगर आप बोल चाल की भाषा में बताएं तो ऐसा समझिए की घर में मां ने खाने में हरी सब्जी बनाई और आपको ये खाने का मन न हो। लेकिन आपकी मां ने डाटंकर आपको सब्जी खाने पर मजबूर कर दिया। इसी तरह से आर्टिफिशल रेनिंग से बादलों को बरसने पर मजबूर किया जाता है। क्लाउड सीडिंग एक ऐसी तकनीक है जिसके जरिए बादलों की भौतिक अवस्था में कृत्रिम तरीके से बदलाव लाया जाता है। ऐसी स्थिति पैदा की जाती है जिससे वातावरण बारिश के अनुकूल बने। इसके जरिये भाप को वर्षा में बदला जाता है। संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में, जहां तापमान अधिक है और वार्षिक वर्षा न्यूनतम है, वर्षा को बढ़ाकर सीमित भूजल स्रोतों पर दबाव कम करने के लिए क्लाउड सीडिंग का उपयोग किया जाता है।

जरिये भाप को वर्षा में बदला जाता है। इस प्रक्रिया में सिल्वर आयोडाइड और सूखे बर्फ को बादलों पर फेंका जाता है। यह काम एयरक्राफ्ट या आर्टिलरी गन के जरिए होता है। लेकिन क्लाउड सीडिंग के लिए बादल का होना जरूरी होता है। बिना बादल के क्लाउड सीडिंग संभव नहीं है। वाई जहाज से सिल्वर आयोडाइड को बादलों के बहाव के साथ फैला दिया जाता है। विमान में सिल्वर आयोइड के दो बर्नर या जनरेटर लगे होते हैं, जिनमें

सिल्वर आयोडाइड का घोल हाई प्रेशर पर भरा होता है। जहां बारिश करानी होती है, वहां पर हवाई जहाज हवा की उल्टी दिशा में छिड़काव किया जाता है। इस प्रोसेस में बादल हवा से नमी सोखकर और कंडेस होकर बारिश की भारी बूंदे बनने लगती हैं और बरसने लगती हैं। क्लाउड सीडिंग एक ऐसी तकनीक है जिसमें संघनन को प्रोत्साहित करने और वर्षा को गति देने के लिए सिल्वर आयोडाइड या नमक जैसे सीडिंग एजेंटों को बादलों में पेश किया जाता है। यह तकनीक स्पष्ट परिस्थितियों में वर्षा को 30-35 प्रतिशत तक और अधिक आर्द्र परिस्थितियों में 10-15 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है।

इस थ्योरी को सबसे पहले जनरल इलेक्ट्रिक के विंसेट शेफर और नोबल पुरस्कार विजेता इरविंग लेंगमुइर ने कंफर्म किया था। जुलाई 1946 में क्लाउड सिडिंग का सिद्धांत शेफर ने खोजा। 13 नवंबर 1946 को क्लाउड सीडिंग के जरिए ही पहली बार न्यूयॉर्क फ्लाइट के जरिए प्राकृतिक बादलों को बदलने का प्रयाक हुआ। जिसके बाद जनरल इलेक्ट्रिक लैब द्वारा फरवरी 1947 में बाथुर्स्ट ऑस्ट्रेलिया में किया गया। जिसके बाद तमाम देशों ने इसे इस्तेमाल किया।

यूएई ने 1990 के दशक के अंत में अपना क्लाउड सीडिंग कार्यक्रम शुरू किया, जिससे यह इस तकनीक का उपयोग करने वाले पहले मध्य पूर्वी देशों में से एक बन गया। नेशनल सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक रिसर्च (एनसीएआर) और नासा जैसे संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान ने उनके प्रयासों को बढ़ावा दिया है। यूएई ने जल सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए 2015 में यूएई रिसर्च प्रोग्राम फॉर रेन एनहांसमेंट साइंस (यूएईआरईपी) की स्थापना की। यूएईआरईपी के अनुसार, अमीरात के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) ने मौसम की निगरानी के लिए 86 स्वचालित मौसम स्टेशनों (एडब्ल्यूओएस), पूरे यूएई को कवर करने वाले छह मौसम रडार और एक ऊपरी वायु स्टेशन का एक राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित किया है। इसने जलवायु डेटाबेस भी बनाया है और संयुक्त अरब अमीरात में उच्च परिशुद्धता वाले संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान और सिमुलेशन सॉफ्टवेयर के विकास में सहायता की है। यूएईआरईपी वेबसाइट ने आगे बताया कि वर्तमान में नसीएम अल ऐन हवाई अड्डे से क्लाउड सीडिंग और वायुमंडलीय अनुसंधान के लिए नियोजित नवीनतम तकनीकों और उपकरणों से लैस चार बीचक्राफ्ट किंग एयर सी90 विमान संचालित करता है।

विश्व मौसम संगठन के अनुसार 56 देश कृत्रिम बारिश का इस्तेमाल कर चुके हैं। इसमें संयुक्त अरब अमीरात से लेकर चीन चक शामिल है। यूएई ने जहां पानी की कमी दूर करने के लिए इसका इस्तेमाल किया वहीं चीन ने 2008 में बीजिंग ओलंपिक के दौरान बारिश रोकने और आसमान खुला रखने के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल किया। क्लाउड सीडिंग किसी क्षेत्र/स्थान के वर्षा पैटर्न को बदल देती है। यह पड़ोसी पारिस्थितिक तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, जिन्हें मूल रूप से बीज वाले बादलों के लिए बारिश प्राप्त होनी थी। बीजारोपण एजेंटों का परिचय प्राकृतिक जल विज्ञान चक्र को प्रभावित कर सकता है क्योंकि यह प्राकृतिक मिट्टी की नमी के स्तर, भूजल पुनर्भरण और नदी के प्रवाह को बदल सकता है। कुछ विशेषज्ञ इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यदि क्लाउड सीडिंग व्यापक हो गई तो सिल्वर विषाक्तता की संभावना हो सकती है। सिल्वर आयोडाइड एक सामान्य बीजारोपण एजेंट है। चांदी की विषाक्तता जलीय जीवन और मिट्टी के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकती है। इसलिए, क्लाउड सीडिंग के वादे के बावजूद, जिम्मेदार प्रबंधन और इसके पर्यावरणीय प्रभावों का गहन मूल्यांकन महत्वपूर्ण है।

पहले चरण में आठ केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत दांव पर

रितिका कमठान

देश के 21 राज्यों और केंद्रीय शासित प्रदेशों में पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को हुआ। पहले चरण में कुल 102 सीटों पर मतदान किया गया। चुनाव प्रचार के लिए अंतिम दिन 17 अप्रैल था, जिसके बाद सार्वजनिक सभा या जुलूस जैसे कई कार्यक्रमों पर रोक लग गई थी। पहले चरण का मतदान सुबह सात बजे से शुरू हुआ, जो की शाम छह बजे तक जारी रहा। पहले चरण के लोकसभा चुनाव में आठ केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व मुख्यमंत्री और एक पूर्व राज्यपाल की किस्मत का फैसला होगा। इस चरण में कई राज्यों में चुनाव होने है। इस चरण में तमिलनाडु (39), उत्तराखंड (5), अरुणाचल प्रदेश (2), मेघालय की (2), अंडमान निकोबार द्वीप समूह (1), मिजोरम (1), नगालैंड (1), पुडुचेरी (1), सिक्किम (1) और लक्षद्वीप (1) की सभी लोकसभा सीट पर मतदान हुआ। इनके अलावा राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में 8, मध्य प्रदेश में 6, असम और महाराष्ट्र में 5-5, बिहार में 4, पश्चिम बंगाल में 3, मणिपुर में 2 और त्रिपुरा, जम्मू कश्मीर तथा छत्तीसगढ़ में एक-एक सीट पर मतदान हुआ।

पहले चरण में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी नागपुर लोकसभा क्षेत्र से हैट्रिक लगाने की तैयारी में है। बता दें कि नितिन गडकरी ने सबसे पहली बार लोकसभा के लिए 2014 में चुनाव लड़ा था। उन्होंने नागपुर से सात बार के सांसद विलास मुत्तेमवार को 2.84 लाख मतों से मात दी थी। इसके बाद वर्ष 2019 के चुनावों में कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के वर्तमान प्रमुख नाना पटोले को 2.16 लाख मतों से हराकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दूसरी बार लगातार नागपुर सीट से विजयी बनाया था।

वहीं केंद्रीय मंत्री किरण रीजीजू अरुणाचल पश्चिम सीट से चुनाव मैदान में हैं, जो चौथी बार जीत दर्ज करने उतरेंगे। 52 वर्षीय भाजपा नेता 2004 से तीन बार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अरुणाचल पश्चिम लोकसभा सीट पर रीजीजू का मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस की अरुणाचल प्रदेश इकाई के वर्तमान अध्यक्ष नबाम तुकी से है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल असम के डिब्रूगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली का टिकट कटने के बाद राज्यसभा सदस्य सोनोवाल को डिब्रूगढ़ से चुनाव मैदान में उतारा गया। मुजफ्फरनगर

लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की उम्मीद है, जहां केंद्रीय मंत्री संजीव बलियान का मुकाबला समाजवादी पार्टी (सपा) के हरेंद्र मलिक और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार दारा सिंह प्रजापति से है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल और दो बार के सांसद जितेंद्र सिंह उधमपुर लोकसभा सीट से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने की उम्मीद लगाये हुए हैं। केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सदस्य भूपेन्द्र यादव को राजस्थान की अलवरलोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है।

राजस्थान की बीकानेर संसदीय सीट पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का मुकाबला कांग्रेस के पूर्व मंत्री गोविंद राम मेघवाल से है। तमिलनाडु की नीलगिरी लोकसभा सीट पर द्रमुक सांसद एवं पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा का मुकाबला भाजपा के एल मुरुगन से है जो केंद्रीय मत्स्य राज्य मंत्री हैं। मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए मुरुगन पहली बार नीलगिरी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। शिवगंगा लोकसभा सीट से सांसद कार्ति चिदंबरम कांग्रेस के टिकट पर पुन: मैदान में हैं और उनका मुकाबला भाजपा के टी देवनाथन यादव और अन्नाद्रमुक के जेवियर दास से है। कार्ति के पिता, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम शिवगंगा लोकसभा सीट से सात बार सांसद चुने गए थे। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई कोयंबटूर लोकसभा सीट से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जहां उनका मुकाबला द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता गणपति पी. राजकुमार और अखिल भारतीय द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के सिंगाई रामचंद्रन से है।

हाल ही में तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल पद से इस्तीफा देने वाली तमिलिसाई सौंदरराजन सक्रिय राजनीति में वापसी करते हुए चेन्नई दक्षिण लोकसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट को कमलनाथ का गढ़ माना जाता है, जिन्होंने 1980 के बाद से नौ बार इस सीट पर जीत हासिल की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 29 में से 28 सीट जीती थीं लेकिन छिंदवाड़ा पर विजय प्राप्त करने से चूक गई थी। नकुल नाथ ने छिंदवाड़ा से भाजपा उम्मीदवार को 37,536 वोट से हराया था और राज्य में एकमात्र कांग्रेस सांसद के रूप में उभरे थे। त्रिपुरा की दो लोकसभा सीट में से एक पश्चिम त्रिपुरा पर 19 अप्रैल को पहले चरण के अंतर्गत मतदान हुआ।

पश्चिम त्रिपुरा लोकसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब और कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष आशीष कुमार साहा के बीच मुकाबला है। मणिपुर के कानून एवं शिक्षा मंत्री और भाजपा के उम्मीदवार बसंत कुमार सिंह इनर मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं और उनका मुकाबला जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के प्रोफेसर व कांग्रेस उम्मीदवार बिमल अकोइजाम से है। भाजपा का गढ़ मानी जानी वाली उत्तरी राजस्थान की चूरू लोकसभा सीट पर दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी और भाजपा उम्मीदवार देवेंद्र झाझरिया अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। उनका मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार राहुल कस्वां से है। कस्वां ने टिकट मिलने पर मार्च में भाजपा छोड़कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया था। देश की 18 वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में 543 सीट पर मतदान होगा और मतगणना चार जून को होगी।

उत्तर प्रदेश में पहले चरण में 19 अप्रैल को जिन लोकसभा सीट पर मतदान हुआ उनमें राज्य के पश्चिमी क्षेत्र की सहारनपुर, बिजनौर, कैराना, मुजफ्फरनगर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत सीट शामिल हैं। राजस्थान की जिन 12 लोकसभा सीट पर पहले चरण में मतदान हुआ उनमें गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझूनूं, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर हैं। नगालैंड की एकमात्र लोकसभा सीट में मतदान हुआ। सिक्किम में 32 विधानसभा सीटों और एकमात्र लोकसभा क्षेत्र में मतदान हुआ। असम में जिन पांच सीटों पर मतदान होना है उनमें डिब्रूगढ़, जोरहाट, काजीरंगा, सोनितपुर और लखीमपुर शामिल हैं।

चुनाव में महिला वोट बैंक को लुभाने की होड़

उमेश चतुर्वेदी

मौजूदा दौर में भारत की पहचान ऐसे समाज की है, जहां सामाजिक और आर्थिक फैसलों में पुरुषों की ही बात मानी जाती रही है। लैंगिक असंतुलन भी इसी सोच का नतीजा माना जाता है। पर अब स्थितियां बदल रही हैं। चुनाव की घोषणा के वक्त चुनाव आयोग ने एक ऐसा आंकड़ा दिया था, जो बदलते भारतीय समाज की कहानी कह रहा है। आयोग के मुताबिक, देश के बारह राज्य ऐसे हैं, जहां महिला वोटरों की संख्या पुरुष मतदाताओं से ज्यादा है। पिछले कुछ चुनावों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और स्वायत्त फैसले लेने की प्रवृत्ति का नतीजा नजर आने लगा है। राजनीति शब्द सामाजिक व्यवहार में भी ज्यादातर नकारात्मक अर्थ के साथ ही ग्रहण किया जाता है। इस वजह से राजनीतिक दल को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की अनिवार्य बुराई मानने वालों की संख्या भी कम नहीं है। पर एक तथ्य को स्वीकारना पड़ेगा कि दलों के शीर्ष नेतृत्व की सोच और उनका नजरिया कहीं ज्यादा गहरा और दूरंदेशी होता है। इसे दूरंदेशी नजरिया ही कहेंगे कि तीस नवंबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के पारंपरिक सामाजिक जातीय खांचे की नये सिरे से पहचान करने की घोषणा की। पारंपरिक चतुर्वर्णीय व्यवस्था की बजाय उन्होंने समाज में चार जातियों के रूप में महिला, युवा, गरीब और किसान की पहचान की। चुनावी प्रक्रिया का गहरा विश्लेषण करें, तो ये चारों वर्ग मतदान के रुख और मुद्दों को प्रभावित करने का ठोस आधार रखते हैं। हर चुनाव में राजनीतिक दल गरीब, मजदूर और किसान को ही मुद्दा बनाते रहे हैं, लेकिन तकनीक और संचार क्रांति के भारत में महिलाएं और नौजवान चुनावी उपभोक्ता और ग्राहक दोनों के रूप में उभरे हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि के पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा की आशातीत सफलता की वजह महिलाएं मानी गयीं। जानकार कल्याण योजनाओं के जरिये उपजे नये वर्ग में महिलाओं की भारी संख्या को सम्मिलित मानते हैं। ऐसी सोच विकसित हुई है कि महिलाओं की पहली पसंद भाजपा बनी है। बाकी दलों का नंबर उसके बाद आता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिला वोटरों की ज्यादा संख्या और बेहतर लिंग अनुपात वाले इलाकों के नतीजों का विश्लेषण करेंगे, तो पायेंगे कि भाजपा भले ही आगे हो, लेकिन इतनी भी आगे नहीं है कि वह बाकी दलों की तुलना में वर्चस्व स्थापित कर पाये। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, तुलनात्मक रूप से ज्यादा महिला वोटर और बेहतर लिंग समानता वाले इलाकों से 143 लोकसभा सीटें आती हैं। अगर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के उदाहरण का सहारा लें, तो इन सीटों से सबसे ज्यादा भाजपा के सांसद चुनकर आने चाहिए थे, लेकिन उनकी संख्या सिर्फ 40 है। इन सीटों पर 29 सांसदों के साथ कांग्रेस दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर पर 17 सीटों के साथ डीएमके है, तो चौथे नंबर पर वाईएसआर कांग्रेस है, जिसके दस सांसद हैं। आठ सांसदों के साथ जदयू इस सूची में पांचवें स्थान पर है। बाकी 39 सीटों पर अन्य दलों के सांसद चुने गये हैं। महिलाएं अब पहले की तरह अपने घर के पुरुषों की पसंद वाले दलों और प्रत्याशियों को वोट नहीं दे रहीं, बल्कि अपनी पसंद वाले प्रत्याशी और दल को वोट दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि महिला प्रधान ये ज्यादातर सीटें उत्तर-पूर्व, पूर्व और दक्षिण भारत के राज्यों में हैं। इन राज्यों में ज्यादातर चुनाव पहले से तीसरे दौर में ही खत्म हो जाना है। इसलिए सभी दलों ने महिला वोटरों को लुभाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली का मुद्दा उठाना हो या दक्षिण भारत की महिलाओं के सांस्कृतिक सम्मान बढ़ाने या उत्तर-पूर्वी राज्यों में बेहतर शासन देने की बात हो, भाजपा बाकी दलों से आगे आने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री तो अपनी हर सभा में महिलाओं को प्रभावित करने वाले कुछ न कुछ वादे करते ही हैं। एक खास शैली में माताओं-बहनों शब्द का इस्तेमाल कर एक तरह से महिला वोटरों को ही लुभा रहे हैं। राहुल गांधी भी महिला सम्मान की बात जगह-जगह उठा रहे हैं। उत्तर-पूर्व में महिला प्रधान 25 सीटें हैं, जिनमें पिछले चुनाव में बीजेपी को 21 सीटें मिली थीं। पिछली बार उसे चुनौती शरद पवार की एनसीपी और ममता बनर्जी की टीएमसी ने दी थी।

गर्मियों में टैनिंग और डल स्किन से छुटकारा देगा आलू का रस

ज्यादातर सब्जियों का स्वाद बढ़ाने वाला आलू गर्मियों में आपकी धूप से झुलसी त्वचा की रंगत भी निखार सकता है। गर्मियों में अक्सर लोगों को सन टैन, डल स्किन, फाइन लाइंस,दाग-धब्बे और एक्ने जैसी स्किन प्रॉब्लम्स परेशान करने लगती हैं। त्वचा से जुड़ी इन परेशानियों को दूर करने में आलू बेहद फायदेमंद माना जाता है। बता दें, आलू आयरन, विटामिन सी और राइबोफ्लेविन का एक समृद्ध स्रोत हैं। आलू में मौजूद ये पोषक तत्व त्वचा के रोम छिद्रों में कसाव लाकर एंटी-एजिंग फायदे पहुंचाते हैं। इतना ही नहीं आलू का रस एक प्राकृतिक ब्लीचिंग एजेंट भी है ,जो जिद्दी सन टैन को साफ करने के साथ स्किन टोन इवन करके त्वचा की रंगत में सुधार कर सकता है। नियमित रूप से कुछ दिन चेहरे पर आलू का रस लगाने से हाइपरपिग्मेंटेशन,त्वचा का कालापन,सुस्त और बेजान स्किन में भी फर्क देखा जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि आलू त्वचा से जुड़ी कई तरह की समस्याओं से छुटकारा पाने का आसान, सस्ता और क्विक तरीका है। आइए जानते हैं चेहरे पर आलू का रस लगाने से ब्यूटी से जुड़े मिलते हैं क्या फायदे और क्या है इसे त्वचा पर लगाने का सही तरीका।

रंगत निखारने के लिए ऐसे करें इस्तेमाल

चेहरे के लिए आलू के रस के फायदे

चेहरे की डार्कनेस करे दूर-

गर्मियों में लोगों को सबसे ज्यादा टैनिंग या पिग्मेंटेशन की समस्या परेशान करती है। जिसकी वजह से त्वचा की रंगत डल लगने लगती है। अगर आपको भी लग रहा है कि आपकी त्वचा पर डार्कनेस आ गई है, तो आलू के रस में गुलाब जल मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। आलू के रस में मौजूद विटामिन सी रंगत सुधारने में मदद कर सकता है।

बेहतरीन मॉइस्चराइजर-

त्वचा पर लगा आलू का रस स्किन का हाइड्रेशन बनाए रख सकता है, जिससे त्वचा नरम और कोमल नजर आती है। त्वचा को हाइड्रेट रखने के लिए आलू का फेस मास्क चेहरे पर लगा सकते हैं।

दाग-धब्बों से मिलेगा छुटकारा-

अगर मुंहासों के जिद्दी निशान आपके चेहरे की खूबसूरती को कम कर रहे हैं तो आलू के रस में गुलाब जल मिलाकर लगाने से फायदा मिलेगा। इसके अलावा आप आलू के रस में हल्दी या बेसन मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। आलू के रस में मौजूद विटामिन सी दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है।

रिंकल फ्री स्किन-

चेहरे के दाग-धब्बों के अलावा लोगों को झुर्रियों की वजह से भी तनाव होने लगता है। चेहरे की झुर्रियों को दूर करने के लिए आलू के रस और दूध का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए आप करीब दो चम्मच आलू के रस में ग्लिसरीन की आधा चम्मच और दूध करीब एक चम्मच मिलाकर मिक्कर बना लें। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियों तेजी से कम होती है और त्वचा में कसाव आता है।

सनबर्न से बचाव-

आलू के रस में मौजूद पोषक तत्व सनबर्न और धूप से होने वाले नुकसान से बचाव कर सकते हैं। यह प्रभावित क्षेत्र को ठंडा और शांत करके तेज धूप की वजह से होने वाले स्किन रैश, सूजन और लालिमा को कम करने में मदद करते हैं।

बालों को मजबूत बनाना है अप्लाई करें ये 4 चीजें, नहीं होगा हेयरफॉल

बालों का झड़ना कई सारे लोगों की समस्या है। महिला हो या पुरुष बालों के कमजोर होकर टूटने से परेशान रहते हैं। बालों की मजबूती के लिए जरूरी है कि केमिकल वाले प्रोडक्ट की बजाय नेचुरल चीजों को इस्तेमाल किया जाए। खासतौर पर बालों की जड़ों को अगर पोषण दिया जाए तो जल्दी ही बाल मजबूत होना शुरू हो जाते हैं। बालों की मजबूती के लिए हेयर ऑयल को बालों में देर तक अप्लाई करने की बजाय ये 4 चीजें लगाएं। कुछ ही दिनों में हेयर फॉल कंट्रोल हो जाएगा।

हेयर मसाज

बालों पर ओवरनाइट ऑयल अप्लाई करने की बजाय शैंपू करने के मात्र एक से दो घंटे पहले ऑयल लगाएं। साथ ही उंगिलियों की पोर की मदद से मसाज करें। इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है और तेल आसानी से अब्जार्ब हो पाता है। जिससे जरूरी पोषण बालों को मिलते हैं और बालों का झड़ना बंद होता है।

ऐलोवेरा जेल

बालों की जड़ों में एलोवेरा जेल की मसाज भी फायदेमंद होती है। ये बालों को नेचुरली मॉइश्चराइज करने के साथ ही हाइड्रेट भी करता है। साथ ही बालों को कंडीशन करता है। जिससे बाल रूखे और बेजान नहीं होते और टूटते कम हैं।

एग मास्क

बालों को मजबूत बनाना है तो पार्लर से प्रोटीन कैरेटिन करवाने की बजाय एग मास्क को लगाएं। प्रोटीन से भरपूर होने की वजह से जब आप एग को बालों की जड़ों पर लगाते हैं तो जरूरी पोषण बालों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उसे मजबूत बनाते हैं।

ग्रीन टी से धोएं बाल

बालों के कमजोर और रूखा होकर टूटने से परेशान हैं तो ग्रीन टी से बालों को धोएं। ये बालों के हेयर फॉलिकल्स को खोलने का काम करते हैं। जिससे बाल मजबूत होते है। ग्रीन टी में पाया जाने वाला कैटेचिन बालों को झड़ने को रोकता है। साथ ही बाल मजबूत होते हैं और सिल्की हो जाते हैं।

बाजुएं मोटी हैं तो पहनें इन स्लीव डिजाइन के ब्लाउज

महिलाएं अक्सर स्टाइल के साथ समझौता कर लेती हैं। वजह है उनका मोटापा। खासतौर पर अगर महिलाओं की बाजुएं मोटी होती है तो ब्लाउज को जरा भी स्टाइल देने से हिचकती हैं। लेकिन स्टाइलिश दिखने के लिए स्लिम होने की नहीं कपड़ों को सही तरीके से स्टाइल करके पहनने की जरूरत है। अगर आपकी बाजुएं मोटी है इन स्लीव डिजाइन को पहनने से ना केवल मोटी बाजुओं से ध्यान हटेगा बल्कि आपका लुक भी ज्यादा अट्रैक्टिव दिखेगा।

पहनें ये स्लीव डिजाइन के ब्लाउज

रश्ड स्लीव

अगर बाजुएं मोटी हैं तो थ्री फोर्थ लेंथ की रश्ड डिजाइन वाली स्लीव आपकी आर्म्स को स्लिम इल्यूजन देने में मदद करेगी।

बेल स्लीव

थ्री फोर्थ लेंथ की बेल स्लीव भी बाजुओं को पतला दिखाने में मदद करती है। आप इस डिजाइन की स्लीव को कुर्ते के साथ भी बनवा सकती हैं। ये काफी क्यूट और अट्रैक्टिव लुक देगी।

क्लासिक हाफ स्लीव

क्लासिक हाफ लेंथ वाली स्लीव ब्लाउज के साथ ऑल टाइम फेवरेट दिखती है। आप किसी भी ब्लाउज को इस स्लीव डिजाइन के साथ बनवाकर अट्रैक्टिव दिख सकती हैं।

रफल्ड स्लीव

ब्लाउज के साथ अगर आप किसी नई डिजाइन को ट्राई करना चाहती हैं तो कंधे के नीचे से रफल डिजाइन को बनवा सकती हैं। ये भी खूबसूरत दिखेंगी।

लांग फुल लेंथ फिटेड स्लीव

फुल लेंथ की फिटिंग वाली स्लीव भी ब्लाउज को स्टाइलिश और क्लासी लुक देती है। अगर आप किसी सिंपल सी साड़ी को क्लासी लुक देना चाहती हैं तो इस तरह की स्लीव को ट्राई कर सकती हैं।

ना पहने ये स्लीव डिजाइन

अगर आप मोटी बाजुओं की वजह से शर्मिंदा महसूस करती हैं तो इन स्लीव डिजाइन को ना पहनें। ये आपकी बाजुओं को और भी ज्यादा मोटा दिखाएंगी।

वन फोर्थ हाफ स्लीव, पफ स्लीव, केप स्लीव की होल स्लीव ब्लाउज

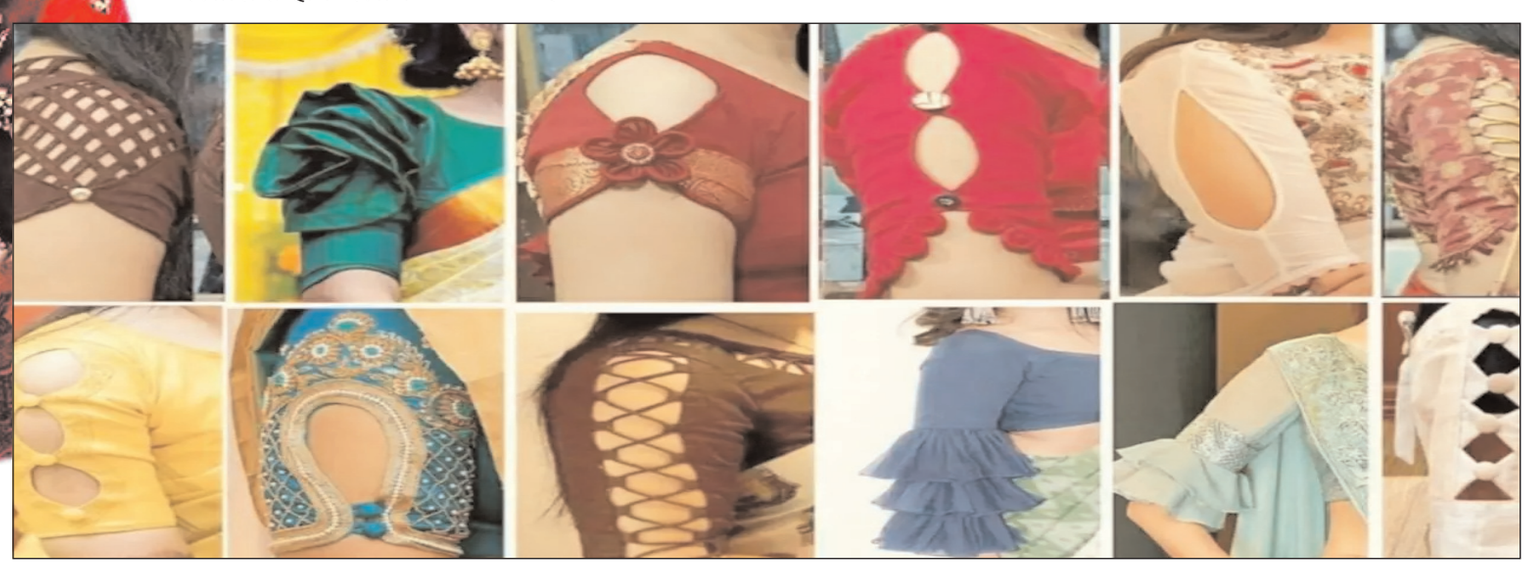

होंठों का रंग पड़ गया है काला तो घरेलू उपाय अपनाएं

गर्मियों का मौसम शुरू हो चूका है और ऐसे में तेज धूप, पानी की कमी और बार बार होंठो पर जीभ फेरने से होंठों का रंग काला पड़ जाता है। शरीर में खून की कमी , खराब जीवन शैली, ज्यादा सिगरेट, चाय, कॉफ़ी पीने से भी होंठ काले पड़ जाते हैं। होंठों के कालेपन में ज्यादा लिपस्टिक का प्रयोग भी अहम माना जाता है। चेहरे की सुन्दरता में होंठो का अहम रोले होता है और जब यही होंठ काले दिखने लगें तो खूबसूरती पर दाग लग जाता है। हमारे होठों की स्किन हमारी नॉर्मल स्किन से कहीं ज्यादा सेंसिटिव होती है इसलिए हमें होंठों की सुन्दरता के लिए त्वचा से ज्यादा सेंसिटिव रहना चाहिए।

आप कुछ घरेलू उपायों द्वारा होंठों की रंगत ठीक कर सकते हैं और अपने होंठों को गुलाबी और मॉइस्चरीज़ रख सकते हैं।

1. डार्क होंठों को मुलायम और गुलाबी बनाने के लिए लिप स्क्रब बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए आपको आधा चम्मच मलाई में 1 चौथाई चम्मच चीनी और आधा चम्मच नींबू का रस मिलाना होगा। इस स्क्रब का होंठों पर इस्तेमाल करें।
2. टिंबू में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो ब्लीचिंग की तरह काम करते हैं एवं होंठों के कालेपन को दूर करने में मदद करते हैं।
   एक कांच की कटोरी में 1 चम्मच शक्कर और 1 चम्मच नींबू के रस को मिला लेना लें। शक्कर थोड़ी पिघल जाने पर इसमें आधा चम्मच शहद को मिला लें।
   अपने चेहरे को साफ कर लें और इसके बाद होठों को सुखा लें। इसके ऊपर इस पेस्ट को लगाकर लगभग 30 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। इसके बाद होठों को पानी से साफ कर लें और लिप बाम लगा लें। इसे रोजाना करने से आपको होठों की रंगत में कुछ ही समय में असर दिखने लग जाएगा।
3. खीरे का जूस बनाकर फ्रिज में रख दीजिये। इस जूस को रुई की मदद से होंठों पर लगा कर छोड़ दें और कुछ समय बाद ताजे पानी से धो डालिये। खीरे में बिद्यमान विटामिन.ए और सी होंठों के कालेपन को दूर करने में असरदार साबित होते हैं। खीरे का जूस एंटीऑक्सीडेंट और सिलिका रिच कंपाउंड से भरपूर होता है। यह कंपाउंड पिगमेंटेशन को कम कर होंठों के डार्क कलर को लाइट करते हैं।
4. हल्दी मलाईहल्दी और मलाई का पेस्ट बना कर सोने से पहले होंठों पर हलकी हलकी मसाज करें। । हल्दी में एंटी.बैक्टीरियल और एंटी.इंफ्लेमेंटरी गुण मौजूद होते हैं। जो होंठो के कालेपन के साथ फटे होंठो की समस्या को भी दूर करती है। वहीं मलाई होंठो को पोषण देगी देकर रंगत को निखार देगी ।
5. रात के समय होंठों पर शुद्ध देसी घी लगाकर सोने से होंठ नरम और गुलाबी होंगे।
6. एलोवेरा जेल का इस्तेमाल- आप दिन में कभी भी होंठो पर एलो बेरा जैल लगा कर छोड़ दीजिये। एलो वेरा में ऑक्सिन के साथ ही इंफ्लेमेट्री गुण होता है जो होठों के रंग को बदलने के काम आता है। एलो वेरा अगर शरीर के अन्दर भी चला जाये तो कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

● शहनाज़ हुसैन

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अमित शाह ने गांधीनगर सीट से किया नामांकन

गांधीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह ने शुक्रवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया।

शाह गांधीनगर सीट से चुनाव लड़ेंगे। उनके साथ गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल भी थे। उन्होंने कहा कि आज मैंने गांधीनगर सीट से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि इस सीट का प्रतिनिधित्व लालकृष्ण आडवाणी, अटल जी ने किया और जिस सीट से नरेंद्र मोदी खुद मतदाता हैं। मैं इस सीट से 30 साल तक विधायक, सांसद रहा हूं। इस क्षेत्र की जनता ने मुझे बहुत प्यार दिया है। शाह ने आगे कहा कि इस चुनाव में नरेंद्र मोदी को 400 पार के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरा देश उत्साहित है। पीएम के नेतृत्व में देश ने पूरी दुनिया में परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने जो 10 साल दिए, वे यूपीए सरकार द्वारा किए गए गड्ढों को भरने में खर्च हो गए और ये अगले 5 साल विकसित भारत के निर्माण की नींव रखने के साल हैं।

बांका में नीतीश ने लालू-राबड़ी कार्यकाल की दिलायी याद

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण को लेकर शुक्रवार को बिहार की 4 संसदीय सीटों पर मतदान के बीच दूसरे चरण के लिए चुनावी जनसभाएं जारी रही। बांका के अमरपुर में सीएम नीतीश कुमार ने एनडीए के प्रत्याशी के लिए जनसभा को संबोधित किया और जनता से जेडीयू उम्मीदवार के समर्थन में वोट करने की अपील की। वहीं अपने संबोधन में नीतीश कुमार ने आरजेडी पर जमकर हमला बोला। नीतीश कुमार ने बिहार में लालू-राबड़ी सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आपलोग शाम के बाद घर से तब नहीं निकलते थे, लेकिन अब महिलाएं भी शाम तक टहलने निकलती हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि वो खुद हटे तो अपनी पत्नी को सीएम बनाए। इन्हें 15 साल मिला और पति-पत्नी राज किए तब भी बताइए क्या हाल था। पहले हिंदू-मुस्लिम का काफी झगड़ा होता था। अभी मुस्लिम का वोट लेने के लिए तैयार रहते हैं तो हम मुस्लिमों को याद दिलाएंगे। पहले झंझट था।

केजरीवाल के खिलाफ रची जा रही गहरी साजिश: संजय सिंह

नईदिल्ली। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को अपनी पार्टी का आरोप दोहराया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है और जेल में उनके साथ कुछ भी हो सकता है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एलजी, ईडी और तिहाड़ जेल के अधिकारियों पर भी गंभीर आरोप लगाए। संजय सिंह ने कहा कि सीएम केजरीवाल के खिलाफ साजिश हो रही है और उनके खिलाफ झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं। केजरीवाल के स्वास्थ्य को लेकर हालिया हंगामे पर सिंह ने कहा कि शुगर के मरीज होने के बावजूद सीएम को समय पर इंसुलिन नहीं दिया जा रहा है। सांसद ने केजरीवाल की बीमारी का मजाक उड़ाने के लिए भी भाजपा नेताओं की आलोचना की और कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री के बारे में भ्रामक खबरें मीडिया के माध्यम से फैलाई जा रही हैं।

तमिलनाडु में बीजेपी फैक्टर को कार्ति चिदंबरम ने किया खारिज

चेन्नई। भाजपा के तमिलनाडु प्रमुख के अन्नामलाई को कोई नहीं बताते हुए कांग्रेस नेता और शिवगंगा से पार्टी के उम्मीदवार कार्ति चिदंबरम ने कहा कि भगवा पार्टी दक्षिणी राज्य में कोई कारक नहीं है। कार्ति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तमिलनाडु की क्षणिक यात्राओं का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, जबकि उन्होंने जोर देकर कहा कि अन्नाद्रमुक राज्य में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। कार्ति चिदंबरम की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब तमिलनाडु भाजपा के दक्षिणी दबाव के केंद्र में है और इसके महत्वाकांक्षी प्रमुख अन्नामलाई अपने उग्र भाषणों से सुर्खियों में आए हैं। शिवगंगा सांसद ने कहा कि तमिलनाडु के लोग अभूतपूर्व मूल्य वृद्धि और पिछले दस वर्षों में उनके जीवन में आई कठिनाइयों के लिए भाजपा के खिलाफ मतदान करेंगे। तमिलनाडु की सभी 39 सीटों पर पहले चरण में मतदान हो रहा है. कार्ति शिवगंगा सीट से दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।

मणिपुर के पोलिंग बूथ पर फायरिंग, भागने लगे वोटर

इम्फाल। मणिपुर के मोइरांग में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग के दौरान परेशान करने वाली घटना घटी। मोइरांग विधानसभा क्षेत्र के हिस्से थमनपोकपी में एक मतदान केंद्र के पास अचानक गोलीबारी हुई। सौभाग्य से इस गोलीबारी में किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, तेज गोलियों की आवाज से वोट देने के लिए इंतजार कर रहे मतदाता डर गए, जिससे वे घबराकर भागने लगे। यह घटना आज हुई, जिससे उन मतदाताओं में दहशत फैल गई जो अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए कतार में लगे थे। फायरिंग की इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें दिख रहा है कि कैसे गोलियों की आवाज सुनकर लोग पोलिंग बूथ से बाहर निकल आए। मणिपुर में चुनावी प्रक्रिया को गंभीर व्यवधानों का सामना करना पड़ा क्योंकि विभिन्न मतदान केंद्रों पर गोलीबारी, बूथ कैप्चरिंग के प्रयास और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को नष्ट करने सहित हिंसा की घटनाएं सामने आईं। रिपोर्टों से पता चलता है कि कई मतदान केंद्रों को निशाना बनाया गया, जिससे अराजकता फैल गई।

अमरोहा में राहुल और अखिलेश पर नरेंद्र मोदी का तंज

उत्तर प्रदेश में फिर दो शहजादों की जोड़ी की फिल्म शूटिंग चल रही : प्रधानमंत्री

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण के मतदान के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। पहले चरण के मतदान से इतर सभा को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने मतदाताओं से अपने अधिकारों का उपयोग करने और लोकतंत्र के इस त्योहार में अपना वोट डालने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है और आपका वोट भारत का भाग्य सुनिश्चित करेगा। संबोधन के दौरान आगे बढ़ते हुए पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश की जनता हमारे पिछले दस साल के ट्रैक रिकॉर्ड के आधार पर इस बार भी जनसेवा के लिए समर्पित एक मजबूत बीजेपी-एनडीए सरकार बनाने जा रही है।

मोदी ने कहा कि अमरोहा की एक ही थाप है - कमल छाप! और अमरोहा का एक ही स्वर है - फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि अमरोहा केवल ढोलक ही नहीं, देश का डंका भी बजाता है। क्रिकेट वर्ल्ड कप में भाई मोहम्मद शामी ने जो कमाल किया, वो पूरी दुनिया ने देखा है। खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए केंद्र सरकार ने उन्हें अर्जुन अवार्ड दिया है और योगी जी की सरकार यहां के युवाओं के लिए स्टेडियम भी बनवा रही है। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है। इस चुनाव में आप का एक एक वोट भारत के भाग्य को सुनिश्चित करने वाला है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा गांव, गरीब के लिए बड़े विजन और बड़े लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ रही है। लेकिन इंडी गठबंधन के लोगों की सारी शक्ति गांव, देहात को पिछड़ा बनाने में लगती है। इस मानसिकता का सबसे बड़ा नुकसान अमरोहा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों को उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश में टेक्सटाइल इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए टेक्सटाइल पार्क बना रही है। इसका लाभ भी अमरोहा के गारमेंट उद्योग को मिलेगा। इससे ज्यादा से ज्यादा रोजगार पैदा होंगे।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना और मुद्रा योजना का लाभ भी यहां के साथियों को हो रहा है। मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों में जो हुआ है, वो तो अभी केवल एक ट्रेलर है। अभी तो हमे उत्तरप्रदेश और देश को बहुत आगे लेकर जाना है। उन्होंने कहा कि अमरोहा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश का ये क्षेत्र अपने मेहनती किसानों के लिए भी जाना जाता है। कांग्रेस, सपा, बसपा सरकारों में यहां किसानों की समस्याओं को न सुना जाता था, न देखा जाता था और न ही उनकी परवाह की जाती थी। लेकिन भाजपा सरकार किसानों की समस्याओं को कम करने के लिए दिनरात काम कर रही है।

मोदी ने कहा कि योगी जी ने गन्ना किसानों की चिंता की। अमरोहा के गन्ना किसान कभी नहीं भूल सकते कि पहले उन्हें भुगतान के लिए कितना परेशान किया जाता था। लेकिन आज प्रदेश में गन्ने की रिकॉर्ड खरीद के साथ ही रिकॉर्ड भुगतान हो रहा है। जब सपा की सरकार थी, तो अमरोहा के गन्ना किसानों को साल में औसतन सिर्फ 500 करोड़ रुपये का भुगतान होता था। जबकि योगी की सरकार में यहां हर साल करीब 1.5 हजार करोड़ रुपये का भुगतान गन्ना किसानों को हुआ है।

प्रधानमंत्री ने सपा-कांग्रेस गठबंधन पर तंज कसते हुए कहा कि यूपी में एक बार फिर दो शहजादों की जोड़ी की फिल्म की शूटिंग चल रही है जिसका पहले ही रिजेक्शन हो चुका है। हर बार ये लोग परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की टोकरी उठाकर यूपी की जनता से वोट मांगने निकल पड़ते हैं। अपने इस अभियान में ये लोग हमारी आस्था पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। यहां से जो कांग्रेस के प्रत्याशी हैं, उन्हें तो भारत माता की जय बोलने में भी परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बना, तो सपा-कांग्रेस दोनों पार्टियों में प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकरा दिया। ये लोग आए दिन राम मंदिर और सनातन आस्था को गालियां दे रहे हैं। अभी रामनवमी पर प्रभु रामलला का भव्य सूर्य तिलक हुआ है। आज जब पूरा देश राममय है, तब समाजवादी पार्टी के लोग रामभक्ति करने वालों को सार्वजनिक रूप से पाखंडी कहते हैं।

गठबंधन वाले सनातन से घृणा करते हैं। मैं कुछ दिन पहले द्वारिका नगरी गया था। अमरोहा तो सीधे सीधे श्रीकृष्ण के साथ नाता रखने वाली जगह है। भगवान श्री कृष्ण यहां से निकलर गुजरात गए थे। गुजरात में पैदा हुआ और यूपी के चरणों में आकर बैठ गया। काशी ने मुझे सांसद बना दिया। उन्होंने कहा कि मैं द्वारिका गया। आर्कियोलॉजी वालों ने ढूंढ़कर निकाला है। जहां श्रीकृष्ण की पुरानी द्वारिका नगरी थी। मैंने श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा की। वहां मैंने मोर पंख रखा। कांग्रेस के शहजादे कहते हैं समुद्र के नीचे पूजा करने के लिए कुछ है ही नहीं। हमारी हजारों वर्ष की मान्यता को, भक्ति को, जिसके साक्षात सबूत हैं, जिस तरह खारिज कर रहे ये लोग, सिर्फ और सिर्फ वोट बैंक की खातिर हैं। जो अपने आपको यदुवंशी कहकर ढोल पीटते हैं, बिहार में जो लोग कहते हैं हम यदुवंशी हैं। यूपी में जो नेता यदुवंशी का माल मलाई खाने निकलते हैं, उनसे पूछना चाहता हूं, अगर आप सच्चे यदुवंशी हैं तो भगवान द्वारिका की पूजा का अपमान करने वाली पार्टी के साथ कैसे बैठक सकते हो, कैसे उनके साथ समझौता कर सकते हो।

राहुल गांधी ने मतदाताओं से कहा-

नफरत को हराकर हर कोने में मोहब्बत की दुकान खोलें

नईदिल्ली। जैसे ही शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शुरू हुआ, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाताओं से नफरत को हराकर लोकतंत्र को मजबूत करने और देश के हर कोने में मोहब्बत की दुकान खोलने का आग्रह किया।

शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शुरू होते ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाताओं से नफरत को हराकर लोकतंत्र को मजबूत करने और देश के हर कोने में मोहब्बत की दुकान खोलने का आग्रह किया। गांधी ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, आज मतदान का पहला चरण है! याद रखें, आपका प्रत्येक वोट भारत के लोकतंत्र और इसकी पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा।

उन्होंने कहा, बाहर निकलें और पिछले 10 वर्षों में देश की आत्मा पर लगे घावों पर अपने वोट का मरहम लगाकर लोकतंत्र को मजबूत करें। कांग्रेस नेता ने कहा, नफरत को हराकर देश के हर कोने में मोहब्बत की दुकान खोलें।

गांधी ने लोगों को कांग्रेस की प्रमुख गारंटी का एक ग्राफिक भी साझा किया, जिसमें प्रशिक्षुता का अधिकार, एमएसपी की कानूनी गारंटी और राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना शामिल है। 2024 के लोकसभा चुनाव शुक्रवार को शुरू हो गए, जिसमें पहले चरण के लिए 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर मतदान हुआ। मैदान में उतरने वालों में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सर्बानंद सोनोवाल और भूपेन्द्र यादव, कांग्रेस के गौरव गोगोई, द्रमुक की कनिमोझी और भाजपा के के अन्नामलाई शामिल हैं। अरुणाचल प्रदेश (60 सीटें) और सिक्किम (32 सीटें) में विधानसभा चुनाव भी एक साथ हो रहे हैं। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए मजबूत बहुमत की मांग कर रहा है, वहीं विपक्षी भारत गुट के घटक 2014 और 2019 के चुनावों में हार का सामना करने के बाद वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

राहुल गांधी और कांग्रेस को देश की परवाह नहीं : नड्डा

वायनाड। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा केरल के वायनाड में रोड शो किया। उन्होंने कहा कि यहां केरल में उपस्थित होना मेरे लिए सम्मान की बात है। जिस उत्साह के साथ आपने इस रोड शो में भाग लिया है, उससे स्पष्ट है कि आपने वायनाड में हमारे उम्मीदवार को आशीर्वाद देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ हमारे उम्मीदवार के चयन के बारे में नहीं है, बल्कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी लेने के बारे में भी है। नड्डा ने कहा कि हमें यह जानकर खुशी हो रही है कि भारत, जो 10 साल पहले 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, ने एक लंबी छलांग लगाई है और अब दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे उम्मीदवार हैं, भाजपा के प्रतिनिधि हैं और मोदी जी का नेतृत्व है। दूसरी ओर, आपके पास कांग्रेस से राहुल गांधी हैं। मुझे आश्चर्य है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने के लिए अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र से भागकर वायनाड क्यों आना पड़ा? नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को देश की परवाह नहीं है। वे वंशवाद द्वारा शासन में विश्वास करते हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए हानिकारक है।

खेल
प्रमुख समाचार

दिल्ली के सामने सनराइजर्स हैदराबाद की चुनौती आज

नईदिल्ली। मैदान के भीतर और बाहर विषमताओं के बीच अपने अपार जीवन का परिचय देने वाले ऋषभ पंत शानदार फॉर्म में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को जब दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी के लिये अरूण जेटली स्टेडियम पर उतरेंगे तो उनके लिये यह बेहद भावुक पल होगा। पिछले साल पंत इस मैदान पर बैसाखियों के सहारे चलते नजर आये थे लेकिन उन्होंने 2022 के जानलेवा कार हादसे के बाद एक विकेटकीपर और बल्लेबाज के तौर पर आईपीएल के इस सत्र में शानदार वापसी की है। दिल्ली ने अब तक मिला जुला प्रदर्शन किया है हालांकि लखनऊ सुपर जाइंट्स और गुजरात टाइटंस को हराकर वे दौड़ में बने हुए हैं। अब तक सात मैचों में से दिल्ली ने तीन जीते और चार हारे हैं। आईपीएल अंक तालिका में चौथे स्थान पर काबिज सनराइजर्स की टीम दो बार टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर (तीन विकेट पर 277 रन और तीन विकेट पर 287 रन) बना चुकी है। ऐसे में कप्तान पंत को कोटला की घरेलू पिच पर अपने संसाधनों का चतुराई से इस्तेमाल करना होगा। सनराइजर्स के ट्रेविस हेड (235 रन) 39 मैच में शतक जड़ने का कारनामा कर चुके हैं। वहीं अभिषेक शर्मा ने भी 211 रन बना लिये हैं। दोनों पावरप्ले में आक्रामक प्रदर्शन करने को बेताब होंगे। दोनों का स्ट्राइक रेट 199 और 197 रहा है जो ईशांत शर्मा, खलील अहमद और मुकेश कुमार की तेज गेंदबाजी तिकड़ी के लिये कड़ी चुनौती होगा। वहीं हेनरिच क्लासेन का भी स्ट्राइक रेट 199 के करीब रहा है और वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर्स में से एक हैं। ये तीनों मिलकर सनराइजर्स की बल्लेबाजी को खतरनाक बनाते हैं। कुलदीप यादव के रूप में दिल्ली के पास ट्रंपकार्ड है जिनका इकॉनामी रेट छह के करीब है। स्पिन गेंदबाजी में उनका साथ देने के लिये अक्षर पटेल के अलावा तीसरा विकल्प ट्रिस्टन स्टब्स हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 600 अंक उछला निफ्टी 22 हजार के पार

नईदिल्ली। बैंकिंग और ऑटो शेयरों में भारी लिवाली के दम पर शेयर बाजार में लगातार चार दिन से जारी गिरावट पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 599.34 अंक यानी 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ 73,088.33 अंक पर बंद हुआ। इजराइल द्वारा संभावित रूप से ईरान में हमला करने की खबर से शुरुआती कारोबार में एक समय सेंसेक्स 672 अंक तक लुढ़क गया था। हालांकि बेंचमार्क इंडेक्स दोपहर के सत्र में वापस उछला और 599 अंक तक चढ़ा। सेंसेक्स में आज 71,816.46 और 73,210.17 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 151.15 अंक यानी 0.69 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,147.00 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 21,777.65 और 22,179.55 के रेंज में कारोबार हुआ।

ब्रह्मोस मिसाइलों का पहला सेट फिलीपींस रवाना

नई दिल्ली। भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की आपूर्ति शुरू कर दी है। इसके तहत ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों का पहले सेट फिलीपींस रवाना कर दिया गया है। दोनों देशों के बीच 2022 में इस हथियार प्रणाली को लेकर 375 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सौदा हुआ था। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) मिसाइलों के साथ अपना C-17 ग्लोबमास्टर मालवाहक विमान फिलीपींस भेज रही है। मिसाइलों को फिलीपीन मरीन कॉर्प्स को सौंपा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि हथियार प्रणालियों को समुद्री मार्ग से भी पहुंचाया गया था, जहां मालवाहक जहाजों को किराए पर लिया गया था। उन्होंने बताया कि मिसाइलों के साथ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली के लिए जमीनी प्रणाली का निर्यात पिछले महीने ही शुरू हो गया था।

बजाज ऑटो क्रेडिट में और निवेश करेगी बजाज ऑटो

नईदिल्ली। देश की अग्रणी कॉरपोरेट समूहों में से एक बजाज ग्रुप की बजाज ऑटो ने अपनी इकाई बजाज ऑटो क्रेडिट में 2 हजार करोड़ से अधिक का निवेश करने का ऐलान किया है। बजाज ऑटो को ऑटो सेक्टर में लोन देने वाली अपनी ईकाई बजाज ऑटो क्रेडिट में 2250 करोड़ रुपये निवेश करने की मंजूरी मिल गई है। इस बारे में बजाज ऑटो ने एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी। इसमें बताया गया है कि बजाज ऑटो के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से इस निवेश की मंजूरी मिल गई है। बता दें, बजाज ऑटो क्रेडिट, बजाज ऑटो के पूर्ण मालिकाना हक वाली ईकाई है। जानकारी के अनुसार इस फंड को एक प्रोसेस के तहत निवेश किया जाएगा। बजाज ऑटो क्रेडिट, बजाज ऑटो और इसकी सब्सिडियरीज की गाड़ियों को खरीदने के लिए ग्राहकों को लोन की सुविधा मुहैया कराती है।

आईएमएफ पाक की आर्थिक स्थिति सुधारने सपोर्ट करेगा

नईदिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को उसकी आर्थिक स्थिति को सुधारने तथा स्थिर करने में मदद के लिए प्रमुख सुधारों में समर्थन देने को तैयार है। आईएमएफ में पश्चिम एशिया व मध्य एशिया विभाग के निदेशक ने जिहाद अज़ोर ने आईएमएफ और विश्व बैंक की एक बैठक के मौके पर पत्रकारों से कहा कि ज़कुछ प्रमुख चुनौतियों से निपटने में मदद के लिए एक नए कार्यक्रम में रुचि दिखाई गई है। 10 महीने पहले शुरू किए गए मौजूदा कार्यक्रम के दम पर पाकिस्तान ने आर्थिक स्थिरता के मामले कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। आईएमएफ अधिकारी ने आशा व्यक्त की कि पिछली समीक्षा सफल रही थी और इसे निदेशक मंडल के सामने रखा जाएगा।

चुनावों के बीच पहली बार दिल्ली आ रहे मस्क, टेस्ला को क्या होगा फायदा

अभिनय आकाश

इस साल अप्रैल का महीना भारत के लिए बेहद खास है। इसी महीने की 19 तारीख से लोकसभा के चुनाव शुरू हो रहे हैं। लेकिन अप्रैल का महीना एक और वजह से भी भारत के लिए खास होने वाला है। इसी महीने के अंत में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भारत आ रहे हैं और वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे। मस्क का भारत दौरा इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि इसकी संभावना है कि वो भारत में निवेश करना चाहते हैं और भारत में टेस्ला की फैक्ट्री खोलने की योजना बना रहे हैं। एलन मस्क का भारत दौरा 22 अप्रैल से शुरू हो रहा है। इस दौरान वो नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। ऐसा पहली बार होगा जब एलन मस्क भारत आएंगे। मस्क की भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत की प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। नए डेटा संरक्षण और दूरसंचार कानून के पारित होने के साथ सरकार ने देश आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाते हुए कई सेमीकंडक्टर निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।

अपनी भारत यात्रा की घोषणा मस्क ने ट्वीट के जरिए की है। टेस्ला की कंपनी की तरफ से पिछले साल जुलाई में कहा गया था कि वो 24 हजार डॉलर की कीमत वाले ईवी का उत्पादन करने के लिए भारत में एक फैक्ट्री बनाना चाहते हैं। इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि एलन मस्क अपने भारत दौरे में अपने इनवेस्टमेंट प्लान और इलेक्ट्रिक व्हिकल के प्लांट को लेकर ऐलान कर सकते हैं। भारतीय ग्राहक भी टेस्ला कार का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

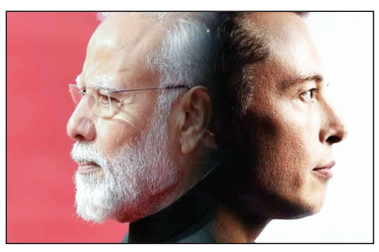

भारत में एमजी मोटर्स, महिला मुख्यतार पर इलेक्ट्रिक कार कंपनियां है। पैसिंजर वीइकल सेल में दो फीसदी ही ईवी का सेम्मेंट है। भारत अपने मैन्युफैक्करिंग मार्केट को मजबूत करना चाहता है। टेस्ला यूनिट लगाता है तो मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट को पंख लगेंगे। टेस्ला ने टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से डील की है कि वह उससे अपने दुनिया भर के ऑपरेशन के लिए सेमिकंडक्टर चिप लेगी यानी टेस्ला भारत में सप्लाई चेन की भी इच्छुक हैं। टेस्ला भारत में मॉडल 2 की कारें बनाएगी। इसकी कीमत 25 लाख रुपये के करीब हो सकती है। भारत में पहले से ई-कारें बना रही कंपनियों के लिए कॉम्पिटीशन बढ़ेगा। लोगों को ज्यादा ऑप्शन मिलेंगे।

स्टारलिंक 2022 से भारतीय सैटकॉम बाजार में हिस्सेदारी की मांग कर रहा है, जब से उसने अपनी सेवाओं के लिए परीक्षण करने की योजना बनाई है, लेकिन उसे अनुमति नहीं मिलने के कारण नियामक बाधा का सामना करना पड़ा। बाद में 2022 में ही इसने अपनी सेवाओं की पेशकश के लिए सैटेलाइट सेवाओं (जीएमपीसीएस) लाइसेंस द्वारा वैश्विक मोबाइल व्यक्तिगत संचार को सुरक्षित करने की प्रक्रिया शुरू की। हालाँकि, विभिन्न सुरक्षा-संबंधी कारणों से इसका लाइसेंस अनुरोध अधर में लटका हुआ है। दिसंबर 2023 में भारत ने सैटेलाइट स्पेक्ट्रम पर एक बड़ी नियामक बाधा को मंजूरी दे दी।

टेस्ला की सेल में गिरावट दर्ज की गई है। सालाना कमाई भी पिछले दो साल से घटी है। इसकी वजह ये है कि उसे चीनी और यूरोपियन कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। टेस्ला भारत आती है तो उसे नया कंस्यूमर बेस मिलेगा।

मार्च में भारत सरकार ने एक नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का अनावरण किया, जिसमें आयात कर कम किया गया, लेकिन अतिरिक्त शर्तों के साथ। भारत में पहले ईवी पर इंपोर्ट टैक्स 100 फीसदी था। मस्क इसमें रियायत चाहते थे। भारत सरकार ने ईवी पॉलिसी को मंजूरी दी। भारत ने ईवी आयात शुल्क को 100 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया, बशर्ते कि कोई निर्माता कम से कम 500 मिलियन का निवेश करे और भारत में एक इकाई स्थापित करे। इससे मस्क का रास्ता साफ हुआ। अब देश के कई राज्य मस्क की यूनिट के लिए पलक पावड़े बिछाए बैठे हैं।

कांग्रेस का सूपड़ा साफ करने की शुरुआत बस्तर ने कर दीः चौधरी

छत्तीसगढ़ की जनता 11 सीटों को 11 कमल के फूल के रूप में मोदी जी को अर्पित करने के लिए तैयार है

रायपुर। कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ में प्रथम चरण के पूर्ण हुए मतदान के बाद भाजपा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिलने का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा है कि बस्तर लोकसभा की जनता-जनार्दन ने बस्तर समेत पूरे छत्तीसगढ़ के विकास के लिए भाजपा के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा कि रामचंद्र जी ने वनवास के समय अयोध्या से सेना नहीं लाई थी इसी छत्तीसगढ़ बस्तर के दंडकारण के लोगों ने मिलकर रावण के अहंकार को हराया था। आज अगर बस्तर में नक्सलवाद का दंश ना होता तो बस्तर विकास की एक नई गाथा लिख चुका होता है। बस्तर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रचंड मतों से विजयी होगी। नक्सलवाद के खात्मे के लिए पहले कांग्रेस का खात्मा करना जरूरी मानकर बस्तर की जनता ने अब छत्तीसगढ़ को कांग्रेसमुक्त राज्य बनाने की शुरुआत प्रथम चरण के मतदान के साथ बस्तर से कर दी है।

कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि बस्तर में भारी संख्या में मतदाताओं ने मतदान कर यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि बस्तर विकास के साथ कदमताल करने का ख्वाहिशमंद है। बस्तर की जनता अब नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्ति चाहती है। पिछले मंगलवार को काँकेर जिले में हुए ऑपरेशन में नक्सलियों मार गिराए जाने के बाद बस्तर समेत समूचे प्रदेश में भाजपा सरकार के प्रति जन-विश्वास और दृढ़तर हुआ है कि नक्सलवाद से छत्तीसगढ़ को मुक्त करने की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति भाजपा में ही है। श्री चौधरी ने कहा कि बस्तर की जनता नक्सलियों की समर्थक कांग्रेस को नहीं जिताना चाहती, यह शुक्रवार के मतदान के बाद आईने की तरह साफ हो गया है। काँकेर समेत बस्तर में चलाए गए नक्सल विरोधी ऑपरेशन को लेकर कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह फर्जी एनकाउंटर बताया, मारे गए नक्सलियों को शहीद बताकर बस्तर समेत पूरे प्रदेश की जनभावनाओं को अपमानित किया, उससे व्याप्त आक्रोश पहले चरण के मतदान में व्यक्त होकर कांग्रेस की चूलें हिलाने वाला साबित होगा। कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि बस्तर के विकास और नक्सली मोर्चे पर पिछली कांग्रेस सरकार के नाकारापन से रुष्ट जनमानस का स्पष्ट रुझान भाजपा के पक्ष में नजर आ रहा है। बस्तर की जनता ने भाजपा के पक्ष में मतदान करके यह दो टूक संदेश दे दिया है कि कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने पिछले 5 सालों में छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद की आग में झोंका था। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने अपने शासनकाल में ढाई सौ सड़कें बनाने के लिए कभी ध्यान नहीं दिया। 90 से अधिक पुल-पुलिया बनाने पर ध्यान नहीं दिया। कभी किसी ऑपरेशन के लिए भी पहल नहीं की। अब बस्तर समेत पूरे छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस के झूठ को बर्दाश्त नहीं करने वाली है और इसलिए बस्तर के रास्ते पूरे प्रदेश में कांग्रेसमुक्त अभियान शुरू हुआ है। भाजपा के प्रति यही विश्वास और उत्साह पूरे प्रदेश में दिखाई दे रहा है और भाजपा का कमल प्रदेश की सभी लोकसभा सीटों पर खिलेगा, इसमें कोई दो राय नहीं है। कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि बस्तर के विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद को खत्म करने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की विष्णु देव सरकार संकल्पित है। सरकार बनने के बाद अभी तक विभिन्न मुठभेड़ों में लगभग 84 नक्सली मारे गए हैं। सरकार ने आदिवासी क्षेत्र में नियद नेल्लानार नाम की योजना चालू की है जिसका अर्थ है मेरा अच्छा गांव। इसके तहत आदिवासी क्षेत्र में शहर की समान सारी सुविधाएं विकसित करने का कार्य प्रारंभ हो चुका है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पुलिस कैंप खोले जा रहे हैं जिसे हम विकास के कैंप कहते हैं। इन कैंपों के माध्यम से उनके आसपास 5 किलोमीटर के क्षेत्र में राशन दुकान, स्वास्थ्य सुविधाएं पानी बिजली आदि सुविधा विकसित करना प्रारंभ हो गया है।

कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि ग्राम हापाटोला जहां पर 29 नक्सलियों के एनकाउंटर वहा पर लोग लोकतंत्र के महापर्व में बढ़-चढ़ हिस्सा लिए है। ग्राम दण्डावन जहां उप सरपंच की हत्या हुई और दुर्दांत नक्सली हिड़मा का गांव है जहां पर हमारी सरकार ने अभी कैंप स्थापित किया है उस गांव में भी पोलिंग बूथ में इस बार वोटिंग हुई है। उपसरपंच की हत्या और एनकाउंटर हुआ वहां पर आप उसके लाइन को देखेंगे, लोकतंत्र के प्रति बस्तर की जनता छत्तीसगढ़ की जनता के समर्पण को साफ तौर पर देखा जा सकता है। बस्तर के लोगों ने बुलेट की जगह बैलेट पर मोहर लगाई है। मोदी जी की लोकप्रियता का सबसे बड़ा प्रमाण है कि आज बस्तर जैसे क्षेत्र में भी लोग बढ़-चढ़ कर के मतदान प्रक्रिया में लोकतंत्र के त्यौहार में सारे आशंका, सारे प्रकार के डर है को रिजेक्ट करते हुए बैलेट पर लोग मोहर लगा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि हमारे पास सशक्त नेतृत्व है, मजबूत संगठन है। पिछले 10 साल का देश में काम करने का मोदी का ट्रैक रिकॉर्ड है और आने वाले 25 सालों के लिए 2047 के विकसित भारत का विजन। वहीं कांग्रेस के पास ना नेतृत्व है, ना संगठन है, ना ट्रैक रिकॉर्ड है, और ना ही विजन। इसलिए मोदी जी को बस्तर की जनता, छत्तीसगढ़ की जनता, पूरे भारत देश की जनता हमारी पार्टी के पास जो मजबूत नेतृत्व, संगठन, ट्रैक रिकॉर्ड और जो विजन है उसको मोहर लगा रही है और मोदी जी के को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए बस्तर क्षेत्र की जनता पूरे छत्तीसगढ़ की जनता जनार्दन पूरी तरह से तैयार है। आने वाले 26 तारीख को भी 7 मई को भी छत्तीसगढ़ के लोग मोदी जी के समर्थन में मोहर लगाएंगे और मोदी जी को अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री 23 को सक्ती और धमतरी तथा 24 को अंबिकापुर में सभा लेंगे, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 22 को लोरमी, आरंग, और भिलाई और केंद्रीय गृह मंत्री शाह की 22 को काँकेर में सभा होगी

मोदी, शाह और योगी की जनसभाओं के बाद कांग्रेस का मनोबल पस्त होगाः रोहरा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री जगदीश (रामू) रोहरा ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगामी 21 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं की जानकारी देते हुए कहा है कि प्रदेश के सभी संसदीय क्षेत्रों में भाजपा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की महती जनसभाओं के बाद शुक्रवार 21 अप्रैल को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राजनांद?गाँव, कोरबा और बिलासपुर संसदीय क्षेत्रों में जनसभा को संबोधित करने पहुंच रहे हैं। इन सभाओं में केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करके योगी आदित्यनाथ भाजपा के पक्ष में हुँकार भरेंगे और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करेंगे।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री रोहरा ने कहा कि भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन जुटाने के लिए 23 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जांजगीर-चाँपा लोकसभा के सक्ती और महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के धमतरी में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। अगले दिन 24 अप्रैल को श्री मोदी सरगुजा लोकसभा के अंबिकापुर में सभा लेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा 22 को लोरमी,आरंग,भिलाई और केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह 22 अप्रैल को काँकेर में भाजपा की चुनाव सभा को संबोधित करेंगे।

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 21 अप्रैल को दोपहर 12.00 बजे राजनांदगाँव संसदीय क्षेत्र के कुमरदा ग्राम के सागर ग्राउंड में सभा लेंगे। इसी दिन दोपहर 2.00 बजे श्री योगी आदित्यनाथ कोरबा लोकसभा क्षेत्र पहुँचेंगे और कोरबा में पार्टी की सभा को संबोधित करेंगे। इसके बेद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिलासपुर संसदीय क्षेत्र के बेलतरा विधानसभा में अपराह्न 4 बजे सभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर से रायपुर पहुँचेंगे और शाम 6.00 बजे विशेष विमान से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री रोहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बेहद लोकप्रिय मुख्यमंत्री हैं और छत्तीसगढ़ में जहाँ-जहाँ उनकी सभा हुई है, भाजपा के पक्ष में अभूतपूर्व जनसमर्थन जुटा है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्री रोहरा ने कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को बस्तर में मतदान हो चुकने के बाद अब दूसरे चरण में 26 अप्रैल को महासमुंद, काँकेर और राजनांदगाँव में मतदान होना है। 7 मई को तीसरे चरण में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, कोरबा, सरगुजा, रायगढ़ और जांजगीर-चाँपा संसदीय क्षेत्रों में मतदान होगा। इस अवधि में पार्टी के केंद्रीय नेताओं की सभाएँ होंगीं। श्री रोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की योजनाओं व कार्यक्रमों तथा भाजपा की विचारधारा व रीति-नीति से प्रभावित होकर हजारों की संख्या में कांग्रेस, जनता कांग्रेस, आम आदमी पार्टी के बड़े दिग्गजों सहित सामाजिक कार्यकताओं ने भाजपा में प्रवेश करके इस बात पर भी मुहर लगा दी है कि तीन महीने की अल्प अवधि में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में भाजपा की प्रदेश सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किए गए अधिकांश वादों को पूरा करके जन-विश्वास अर्जित किया है। श्री रोहरा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसभाओं के बाद कांग्रेस का मनोबल पस्त होगा और भाजपा कार्यकर्ता शत-प्रतिशत मतदान तथा %अबकी बार 400 पार% के लक्ष्य को हासिल करने उत्साहपूर्वक जुटेंगे तथा प्रदेश की सभी 11 सीटों पर भाजपा जीत का परचम लहराएगी।

बृजमोहन ने बलौदा बाजार में रोड शो कर जुटाया जन समर्थन, भाजपा को प्रचंड मतों से जिताने की अपील

रायपुर। रायपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मंत्री बृजमोहन अग्रवाल अपने ने जनसंपर्क अभियान के तहत शुक्रवार को बलौदा बाजार में रोड शो किया और जनता से भाजपा को प्रचंड मतों से अपील की। आज के अभियान में बृजमोहन अग्रवाल ने क्षेत्र में भाजपा सरकार के कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की याद दिलाई और भाजपा के संकल्प पत्र, मोदी की गारंटी 2024 को दोहराया।

जनता को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार त्ङ्कह्व यानि की गरीब, युवा , अन्नदाता और नारी को आगे बढ़ाने, उनको आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें आत्म सम्मान दिलाने के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने कहा कि गरीब, युवा , महिला किसान की कोई चिंता करता है तो वो हैं हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी इसलिए एक बार फिर से मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। मोदी ने आने वाले पांच सालों तक गरीब परिवार के लिए 35 किलो फ्री राशन की योजना जारी रखी है। साथ 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज आयुष्मान योजना के जरिए किया जा रहा है। 5 सालों में 3 करोड़ और घर बनाने का संकल्प लिया है। दिव्यांग साथियों को अब पीएम आवास योजना में प्राथमिकता दी जाएगी, उनकी विशेष जरूरतों के अनुसार उन्हें आवास मिल सके, इसके लिए विशेष रूप से कार्य योजना बनाई जायेगी।

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किसान सम्मान निधि,

3100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदी,का दलहन और तिलहन फसलों का उचित मूल्य इतना ही नहीं मिट्टी की उर्वरकता बनाए रखने और पैदावार बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती पर बल दिया जाएगा और नैनो यूरिया के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल पर जोर दिया जाएगा। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि,भाजपा के लिए दल से बड़ा देश है। भाजपा संकल्प पत्र गारंटी देता है कि, मोदी जी के नेतृत्व में भारत मानव कल्याण के लिए निरंतर काम करता रहेगा।

रोड शो के दौरान मंत्री टंक राम वर्मा भी बृजमोहन अग्रवाल के साथ रहे और उनके लिए वोट मांगे। जनता को संबोधित करते हुए टंक राम वर्मा ने कहा कि, बृजमोहन अग्रवाल एक नेता से बढ़कर हैं। वो पूरे छत्तीसगढ़ को एक परिवार की तरह मानते हैं। उनके यहां से कोई भी खाली हाथ नहीं जाता चाहे वह किसी भी पार्टी या क्षेत्र का हो वह सभी के लिए 24 घंटे उपलब्ध रहते हैं और काम करते हैं। उन्होंने बलौदा बाजार में सड़क निर्माण स्कूल कॉलेज का निर्माण आदि विकास के सैकड़ो काम किए हैं। यह बलौदा बाजार की जनता का सौभाग्य है कि उनको बृजमोहन अग्रवाल को वोट देने का मौका मिल रहा है। आप सब बृजमोहन अग्रवाल को क्षेत्र से प्रचंड मतों से जीत दिलाकर एक नया कीर्तिमान स्थापित करें। आज जनसंपर्क के दौरान जगह जगह महिलाओं ने आरती उतारकर बृजमोहन अग्रवाल का स्वागत किया। महिलाओं ने महतारी वंदन योजना का 1000 रूपये मिलने पर मोदी जो को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि कोई सरकार हमारे खाते में ?1000 महीना भी डालेगी। उन्होंने बृजमोहन अग्रवाल को जीत का आशीर्वाद दिया। आज के जनसंपर्क अभियान के दौरान बृजमोहन अग्रवाल ने गैतरा स्थित महामाया मंदिर में पूजा अर्चना की और पूरे मंत्रोचार के साथ शिवजी का अभिषेक किया।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

चाक परियोजना को बंद करना दुर्भाग्यजनक - कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार के द्वारा चाक परियोजना को बंद करना प्रदेश के नौनिहाल और बच्चों के साथ अन्याय है इस योजना से बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलती निशुल्क अंग्रेजी की शिक्षा मिलती स्कूल में सुविधा बढ़ती। कांग्रेस सरकार ने प्रदेश के स्कूलों का कायाकल्प करने चाक परियोजना की शुरुआत की थी जिसे साय सरकार ने बंद करके प्रदेश के बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा और अच्छे स्कूलों की सुविधा से वंचित कर दिया है। चाक परियोजना के लिए कांग्रेस की सरकार ने 400 करोड रुपए का प्रावधान किया था इस परियोजना के तहत आने वाले 5 वर्षों में विश्व बैंक से लगभग ढाई हजार करोड़ रुपए की सहायता मिलती. जिससे प्रदेश के स्कूलों मरम्मत एवं नई बिल्डिंग बनती,शिक्षकों को उपयुक्त प्रशिक्षण मिलता. हायर सेकेंडरी स्तर की कक्षाओं के लिए डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग होता और उच्च क्वालिटी के टेस्ट आइटम, आईसीटी एवं विज्ञान प्रयोगशाला स्मार्ट क्लास जैसे सुविधाये बच्चों को मिलती। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की सरकार गरीब बच्चों को निशुल्क और गुणवत्ताहीन शिक्षा से दूर करना चाहती है भाजपा की सरकार शिक्षा का बाजारीकरण करने की दिशा में काम कर रही है. इसीलिए चाक परियोजना को बंद किया गया.

केन्द्र में कांग्रेस की सरकार में श्रमिकों के साथ होगा न्याय

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की अडानी परस्त मोदी सरकार ने विपक्षी दलों को सदन में बाहर रखकर 1 दिन में 12-12 श्रम कानून में श्रमिक विरोधी संशोधन किये, कांग्रेस की सरकार आने पर उन सभी संशोधन समीक्षा होगी। देश के श्रमिकों के साथ न्याय होगा। केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर देश में मजदूरों के हालात में सुधार होगा। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि जब देश में कांग्रेस की सरकार थी तब रोजगार को कानूनी गारंटी कांग्रेस ने दिया था। इसके लिये महात्मा गांधी रोजगार गारंटी (मनरेगा) बनाया था। जिसमें हर मजदूर को 100 दिन काम मिलना उसका कानूनी अधिकार हो गया। मोदी सरकार ने हर वर्ष मनरेगा के बजट में दुर्भावनापूर्वक 15 से 25 प्रतिशत की भारी भरकम कटौती की है, जिसके चलते 100 दिन तो दूर औसत 20 दिन का रोजगार मिलना मुश्किल हो गया है। फिर से केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर कांग्रेस ने श्रमिकों के लिये श्रमिक न्याय योजना शुरू करने का वादा कांग्रेस ने किया है। कांग्रेस मनरेगा के तहत मजदूरी 200 से बढ़ाकर 400 रूपये प्रतिदिन करेगी। मनरेगा की मजदूरी के दायरे का विस्तार होगा। कक्षाओं, पुस्तकालयों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों जैसी सार्वजनिक संपत्तियों के निर्माण के लिये मनरेगा निधि और श्रमिकों को भी तैनात किया जा सकेगा।

नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में 400 खिलाड़ी शामिल होंगे

रायपुर। 21 अप्रैल को छग पावर लिफ्टिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वाधान में पहली बार नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन दत्तात्रेय मंदिर ब्रम्हपुरी पुरानी बस्ती रायपुर में किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उदघाटन समारोह सुबह 11 बजे मुख्य अतिथि सांसद सुनील सोनी करेंगे, विशेष अतिथि रवि शर्मा, अध्यक्ष एनएसएफ समाज सेवी अरुण विश्वकर्मा एव वीर हनुमान सिंह अवॉर्डी छग शासन के संजय शर्मा होंगे। पुरस्कार वितरण समारोह रात्रि 7 बजे किया जाएगा जिसके मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल शिक्षा मंत्री छग शासन एवं विशेष अतिथि दत्तात्रेय मंदिर समिति के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल होंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार और महासचिव लखपति सिंदूर ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर के करीब 400 से अधिक खिलाड़ी आयेंगे। जिसमे छग पुलिस, महाराष्ट्र पुलिस, रेलवे, बीएसएनएल, बीएसएफ, सिविल सर्विसेज के करीब 200 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता के साथ छग स्टेट पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप डेड लिफ्ट की भी प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में मुख्यरूप से नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशन पावर लिफ्टिंग के अध्यक्ष रवि शर्मा भी दिल्ली से आ रहे है, साथ में वेस्टर्न इंडिया पावर लिफ्टिंग के महासचिव सुभांगी क्रिस्ट भी मौजूद रहेगी।

शहर में सड़क किनारे खड़ी कंडम गाड़ियों को जब्त करेगी नगर निगम की टीम

रायपुर। निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने जोन कमिश्नरों को सड़क पर रखे कंडम वाहन, सड़क पर अतिक्रमण कर ठेले-गुमटी लगाने वालों के खिलाफ सप्ताह में तीन कार्रवाई का आदेश जारी कर दिया है.इस आदेश में उन्होंने भवन निर्माण सामग्रियों के कचरे (सीएनडी वेस्ट) और निर्माणाधीन ऐसे मकान जहां ग्रीन नेट नहीं लगाया गया है, उनके खिलाफ भी कार्रवाई का निर्देश दे दिया. आयुक्त ने कहा कि इन सभी कार्रवाई की दैनिक रिपोर्ट मुख्यालय में प्रस्तुत करें जिस पर सप्ताह में एक दिन समीक्षा की जाएगी. दस दिन पहले आयुक्त ने अप्रैल-मई और जून महीने में घर-घर जाकर नल की सप्लाई पानी का प्रेशर जांचकर रिपोर्ट देने कहा था। उस रिपोर्ट में भी अब ढिलाई शुरू हो गई है, शहर की घनी आबादी वाले वार्डों में गर्मी बढ़ने के साथ ही एक बार फिर पानी के प्रेशर में शिकायतें आने लगी हैं. इस मामले में नगर निवेशक निशिकांत वर्मा के मुताबिक कमिश्नर के निर्देश पर कार्रवाई करने के लिए जोनवार सूची बनाई गई है. इसमें कौन सा जोन सप्ताह के किन 3 दिनों में कार्रवाई करेगा, इसका भी प्रारूप बनाया गया है. ये कार्रवाई सोमवार से शुक्रवार तक सप्ताह में 5 दिन की जाएगी. इन्हीं पांच दिन में से तीन दिन तय किये गये हैं. यहां पर्यावरण संरक्षण मंडल की गाइडलाइन के अनुपालन में निर्माणाधीन मकानों में ग्रीन नेट नहीं लगाने पर जुर्माना लगाकर वहां ग्रीन नेट भी लगाने के निर्देश दिए गए हैं. सड़क पर कंडम पड़े वाहनों को जब्त करने के लिए कहा गया है.

ट्रॉली बैग से महंगी शराब जब्त

रायपुर। लोकसभा चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर चलाये जा रहे प्री इलेक्शन सीजर अभियान के तहत रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 में फुट ओवर ब्रिज के पास एक व्यक्ति को एक ट्रॉली बेग और एक एयर बैग के साथ संदेह के आधार पर पकड़ा गया पूछने अपना नाम पता मुकेश कुमार साव पिता आरपी साव उम्र 34 वर्ष निवासी बेहला चौरास्ता वार्ड 127 थाना बेहला जिला दक्षिण कोलकाता (प. बंगाल) बताया और ट्रेन नंबर 12102 ज्ञानेश्वरी एक्स में कोलकाता से रायपुर आना बताया. बैग में रखे समान के बारे में पूछने पर बैग के अंदर शराब की बोतल होना बताया। जानकारी के मुताबिक मुकेश ने बताया कि पश्चिम बंगाल में इसकी कीमत कम रहती है। जिसके चलते वह इसे रायपुर के लाकर होटल में देने आया था. आबकारी विभाग रायपुर को अवगत कराकर उनके साथ संयुक्त रूप से बैग को खोलकर चेक करने पर 32 बोतल (32 × 750एमएल) अंग्रेजी शराब जॉनी वालकर ब्लेक लेबल, और जॉनी वालकर गोल्ड लेबल रिजर्व पाया गया. उक्त शराब के संबंध में कोई वैधानिक दस्तावेज पेश नहीं कर सका पश्चिम बंगाल में कम कीमत में मिलने के कारण रायपुर लाकर होटल में देना बताया. तब उक्त व्यक्ति मुकेश कुमार साव से कुल 32 बोतल शराब को जप्ती कर अग्रिम कार्र्वाई किया गया.

निगम और दिल्ली की कंपनी के बीच हुआ एमओयू

शहर के भूमिगत और सतही जल स्रोतों का स्पेस और एआई के माध्यम से होगा सर्वे

रायपुर। रायपुर नगर निगम क्षेत्र के भूमिगत जलस्त्रोतों और सतही जलस्त्रोतों को बचाने तथा संवर्धन के लिए उनका आधुनिक माध्यम जैसे स्पेस और एआई से सर्वे किया जाएगा. इसके लिए आज निगम और नई दिल्ली की एक कंपनी के साथ एमओयू किया गया.

निगम मुख्यालय भवन व्हाईट हाउस में निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा के साथ नई दिल्ली की आर्म्स 4 एआई लिमिटेड के सीईओ और फाउंडर के संचालक जागृति डबास के साथ एमओयू करने के साथ ही इस कार्य को लेकर विस्तृत चर्चा भी की. आर्म्स 4 एआई लिमिटेड स्टार्टअप कम्पनी है. भारत सरकार की शहरी आवास मंत्रालय द्वारा इस प्रकार के कार्यों के लिए परीक्षा ली गई थी. जिसमें जागृति डबास की आर्म्स 4 एआई कंपनी विजेता चुनी गई थी. ये कम्पनी साल भर तक भूमिजल स्त्रोतों और सतही जलस्त्रोतों का सेटेलाईट और आर्टिफिशयल की मदद से सर्वे करेगी कि किस जगह पर कितना पानी है और उनका संवर्धन कैसे किया जाए तथा इनसे जुड़े अन्य चीजें बताएंगी. ये सभी कार्य भारत सरकार के खर्चे पर होगा. इसके साथ हैदराबाद स्तिथ एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कारपोरेशन एएससीआई भी इस कार्य से जुड़ा रहेगा.

अमृत मिशन पॉइंट 2 शुरु

इस प्रकार निगम में पेयजल के लिए दूसरा मिशन प्रारम्भ हो रहा है. जिसे अमृत मिशन पॉइंट 2 नाम दिया गया है. अमृत मिशन की पहली योजना में शहर में घर-घर पेयजल पहुंचाने का कार्य किया गया. अब अमृत मिशन 2 पाइट ओ में भूमिगत जलस्त्रोतों और सतही जलस्त्रोतों को बचाने और उनके संवर्धन के लिए काम किया जाएगा. जिसमें सर्वे के बाद कम्पनी निगम को अपना रिपोर्ट सौंप देगी.

हितग्राहियों से सीधी बात कर मुख्यमंत्री लेते हैं रोजाना फीडबैक

रायपुर। एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री ताबड़तोड़ चुनावी सभाओं में व्यस्त हैं। हर दिन दो से तीन सभाएं ले रहे हैं। संगठन और पार्टी की बैठकों में शिरकत कर रहे हैं। चुनावी रणनीति को लेकर देर रात तक बैठकें कर रहे हैं। साथ में फाइलें भी निपटा रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ चुनावी व्यस्तता के बावजूद समय निकाल कर महतारी वंदन योजना की हितग्राहियों से मोबाइल पर सीधी बात भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री लगभग हर दिन चुनावी सभा में जाने के पूर्व कुछ महिला समूहों से मोबाइल पर जुड़ते हैं और उनका हाल-चाल पूछते हैं। साथ ही महतारी वंदन योजना की राशि पहुँचने की जानकारी भी लेते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री ने बस्तर से लेकर सरगुजा तक की महिलाओं से स्वयं फ़ोन पर बात की और लाभ के बारे में पूछा। जिस पर महिलाओं ने साकारात्मक जवाब दिया और सीएम साय से कहा कि - 'हमें महतारी वंदन का दो किश्त मिल चुका है, जिससे हम अपनी छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर रहे हैं।' साय को योजना के लाभ के लाभ के बारे में बताते हुए महिलाएं अत्यंत खुश लग रही हैं, योजना को निरंतर चलाने का आग्रह मुख्यमंत्री से कर रही हैं। मुख्यमंत्री को इसी बातचीत के दौरान बस्तर की महिला से पता चला कि कांग्रेसी कार्यकर्ता महतारी वंदन योजना को लेकर भ्रम फैला रहे हैं कि यह योजना लोकसभा चुनाव के बाद बंद हो जाएगी। मुख्यमंत्री को मिला यह फीडबैक उनकी चुनावी सभा में भाषण का अंश बन गया। उन्होंने कोरबा कि सभा में इस पर कहा कि जब तक उनकी सरकार रहेगी तब तक महतारी वंदन योजना बंद नहीं होगी।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.